हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार, 8 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 26.4 डिग्री
न्यूनतम 20.6 डिग्री

12 ठेकेदारों के भरोसे न रहे फील्ड पर करें मॉनिटरिंग

13 आपसी प्रेम, भक्ति का उदाहरण रही इस बार की रथयात्रा

खबर संक्षेप

रथयात्रा से मोबाइल पार, आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। रथयात्रा के भीड़ का लाभ उठाते हुए मोबाइल पार करने वाले गिरोह को पुलिस ने पकड़ा है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सेक्टर 6 स्थित जगन्नाथ मंदिर के आसपास भिलाई में मोबाईल रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे थे। पुलिस ने दबिश देकर युवक को पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम प्रगति नगर छावनी भिलाई निवासी एम. सागर बताया है। भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा में भीड़ में मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के पास से पुलिस ने अपने दोस्त बिल्लू नौसाद,सुनील उर्फ रोहित, इमला समेत अन्य के साथ मिलकर चोरी करना बताया है। आरोपी से पुलिस ने 10 मोबाईल जब्त किया है, उक्त मोबाइलों की कीमत 3.30 लाख रुपए आंकी गई है।

पद्मनाभपुर में चोरी

भिलाई। पद्मनाभपुर निवासी अधिवक्ता सुनील साहू के सूने मकान में चोरी हो गई। साहू परिवार के साथ बनारस गए हुए थे। पुलिस अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। आरोपी दीवार फांदकर घर के अंदर घुसे। आरोपी चोर बड़े आराम से घंटों तक मकान के अंदर रहे। इस दौरान आलमारी में रखे जेवरात और नगद उड़ा ले गए। सूचना पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है।

24 साल से फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने दबोचा

भिलाई। अनुसूचित जाति, जनजाति धारा के अंतर्गत 24 साल से फरार आरोपी स्थायी वारंटी को गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताय कि डीएसपी अजाक हेम प्रकाश नायक की विशेष टीम फरार वारंटी को पकड़ने की पतासाजी कर रही थी। इस दौरान मोहन नगर अजाक थाना की टीम ने अनुसूचित जनजाति की महिला के साथ छेड़खानी कर अपमानित करने वाले स्थायी वारंटी डौंडी लोहारा निवासी कमल सिंह उर्फ शुभपाल सिंह राजपूत को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने फरारी का चालान तैयार कर 30 नवम्बर 2001 में पेश किया। विशेष न्यायाधीश के. विनोद कुजूर विशेष न्यायालय एट्रोसिटी कोर्ट दुर्ग के धारा 354 भादवि 3 (1)2 एस.सी/एस.टी एक्ट के तहत आरोपी फरार था। आरोपी को पकडकर विशेष न्यायालय एट्रोसिटी कोर्ट दुर्ग में पेश किया गया। स्थायी वारंटी कमल सिंह 24 वर्षों से फरार था।

चंद्रा-मौर्या और प्रियदर्शनी परिसर अंडरब्रिज में आवाजाही बंद, कई सरकारी स्कूलों में भरा पानी, आज भी बारिश के आसार

48 घंटे में 80 मिमी बारिश,अब तक 153 मिमी पानी गिरा

किसानों के खिले चेहरे, 34 हजार हेक्टेयर रोपाई, 1 लाख में बुआई, मोंगरा बैराज से छोड़ा गया पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

पिछले 48 घंटे में जिले में 80.40 मिमी से ज्यादा पानी गिर चुका है। इसकी वजह से भिलाई, दुर्ग, रिसाली, चरोदा सहित अन्य शहरी क्षेत्रों में जहां निचली बस्तियों में पानी भरना शुरू हो गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के चेहरे खिल गए हैं। किसानी कार्य में तेजी आ गई है। जिले को प्रभावित करने वाले दो प्रमुख जलाशयों खरखरा और तांदुला में तेजी से जलभराव हो रहा है। जिले में सीजन में अब तक 153.20 मिमी बारिश हो चुकी है। खपरी जलाशय में भी पानी पहुंच रहा है। दिनों तक लगातार बारिश से किसानों के चेहरे खिल गए। भिलाई में जहां चंद्रा-मौर्या और प्रियदर्शनी परिसर अंडर ब्रिज में पानी जमा हो गया है। दोनों को बंद करना पड़ गय है। वहीं घड़ी चौक और नेहरूनगर अंडर ब्रिज में ट्रैफिक का लोड बढ़ गया है। दुर्ग में रायपुर नाका, उत्कल नगर, बांधा तालाब, राजीव नगर, गयानगर, रामनगर में पानी जमा हो गया है। शिवनाथ नदी सहित प्रमुख नाले शंकरनाला और पुलगांव नाले का जलस्तर बढ़ गया है। मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है, जिसकी वजह से जिले में पिछले करीब 48 घंटों से रुकरुककर बारिश हो रही है। पिछले साल के मुकाबले इस बार अधिक बारिश जिले में दर्ज की गई है। पिछले साल जहां एक जून से अब तक सिर्फ 118.7 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, वहीं इस बार 144.7 मिमी बारिश हो चुकी है। बहरहाल जिले में एक लाख 34 हजार हेक्टेयर में धान का फसल किसानों ने लिया है। इसमें बोता पद्धति से बोआई हो चुकी है, वहीं रोपा पद्धति वाले किसान बारिश का इंतजार कर रहे थे। रोपा पद्धति से 34 हजार हेक्टेयर में रोपाई कार्य अब तेजी पकड़ चुकी है। इधर मोंगरा बैराज राजनांदगांव से 15 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

चंद्रा-मौर्या अंडरब्रिज

दो दिन की बारिश से जनजीवन हो रहा प्रभावित

दो दिन से लगातार हो रही बारिश के कारण भिलाई-दुर्ग में जनजीवन प्रभावित होने लगा है। दुर्ग में जहां आदित्य नगर, सिंधिया नगर, कातुलबोड़, रायपुर नाका, उत्कल नगर, जोगी नगर, पोटिया, बांधा तालाब, राजीव नगर, नयापारा, गयानगर सहित आउटर कॉलोनियों में पानी जमा होने लगा है। वहीं दो प्रमुख नाले शंकर नाला और पुलगांव नाला उफान में आ गए हैं। इसी प्रकार भिलाई के कोहका, कुरुद, शांतिनगर, रिसाली के आशीष नगर सहित अन्य हिस्सों में बारिश का पानी जमा होने लगा है। दो प्रमुख अंडर ब्रिज चंद्रा-मौर्या और प्रियदर्शनी परिसर बंद हो गए हैं।

लक्ष्मीनगर सुपेला

पिछले साल से बेहतर बारिश, ऐसे समझें

जिले में पिछले साल से इस बार बेहतर बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एचपी चंद्रा ने बताया कि पिछले साल 15 जुलाई के बाद बारिश तेजी पर थी। लेकिन इस बार जुलाई के पहले सप्ताह में बेहतर बारिश हुई है। बहरहाल पाटन में सबसे ज्यादा बारि हुई है। यहां पिछले साल 229 मिमी थी, जो इस बार 271.7 मिमी है। वहीं सबसे कम भिलाई तीन में 102.4 से बढ़कर इस बार 118.8 मिमी है, जो इस बार की बारिश में कम है। धमधा में पिछले साल 65 और इस बार 84 मिमी, दुर्ग में पिछले बार 86.1 मिमी इस बार 147.5 मिमी है। बोरी तहसील पिछले साल 61.4 से बढ़कर 104 मिमी है। अहिवारा पिछले साल 141.5 से बढकर 167.5 मिमी बारिश हुई है। दुर्ग जिले की औसत बारिश 561.9 मिमी है, जिसमें अब तक 144.7 मिमी पानी गिर चुका है।

चिकन मार्केट (इंदिरा मार्केट) दुर्ग

छावनी क्षेत्र में नालियां जाम

1.34 लाख हेक्टेयर में ली जा रही धान की फसल

जानकारी अनुसार जिले में एक लाख 34 हजार हेक्टेयर में किसान धान की फसल ले रहे है। पिछले साल यह आंकडा 135 हजार था। पिछले तीन दिन के इस बारिश से खेती किसानी को लेकर दो तस्वीर सामने आ रही है। इस बारिश से जहां ऐसे किसान जो बारिश नही होने से लाई चोपी (अंकुरित धान) पध्दति से बोनी कर चुके थे। अब उन्हें फसल अधिक बारिश से सडने की चिंता सताने लगी है। वही दूसरी तरफ ऐसे किसान ने राहत की सांस ली ह, जिन्होने बोता पध्दति से धान की बोआई की थी। जिले में बोता पध्दति से एक लाख हेक्टेयर में बोआई की गई है। ऐसे किसानों का फसल अंकुरित होकर पांच सेंटीमीटर तक हो चुका है। इस फसल के लिए यह बारिश फायदेमंद होगी। कृषि विभाग के अफसरों ने बताया कि, अंकुरित धान के लिए बारिश फायदेमंद है, जबकि लाई चोपी पध्दति के रकबे के लिए सतर्कता जरूरी है।

सरकारी स्कूल छावनी

दुर्ग सभापति पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश हाथापाई, पार्षदों ने थाने में किया हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

पुलगांव थाना अंतर्गत ऋषभ ग्रीन सिटी में बच्चों को लेकर हुए विवाद में दुर्ग निगम सभापति श्याम शर्मा और अधिवक्ता नीरज चौबे में कहासुनी हो गई। बात हाथापाई तक

- विवाद के बाद पुलगांव पुलिस ने अधिवक्ता नीरज चौबे के खिलाफ दर्ज किया अपराध

पहुंच गई। श्याम शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में नीरज चौबे के खिलाफ धारा 296, 115 (2), 351 (2), 281, 125 (ए) और मोटरयान अधिनियम की धारा 184 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। इस घटना की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में पार्षद पुलगांव थाने पहुंचे। उन्होंने सभापति से हुई मारपीट के इस मामले को लेकर नाराजगी भी व्यक्त की।

पुलिस ने बताया कि श्याम शर्मा की लिखित शिकायत के आधार पर अपराध दर्ज किया गया है। सभापति श्याम शर्मा ने आरोप लगाया है कि उनके साथ हाथापाई की गई। उनकी स्कूटी को टक्कर मारी गई। श्याम शर्मा ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि उनके साथ नीरज चौबे ने गाली गलौज की। जान से मारने की धमकी दी। घटना 6 जुलाई की रात करीब 8.30 बजे की है। आरोपी अपनी कार सीजी 07 सीवाई 235 से सभापति के घर के सामने से गुजर रहा था। इस दौरान उसने हार्न बजाया। इस दौरान श्याम शर्मा की बेटी और बेटा बाहर निकले। पहले आरोपी ने उनसे विवाद किया। बाद में दोनों ने घटना की जानकारी श्याम शर्मा को दी। श्याम शर्मा के बाहर आने पर आरोपी ने उनसे भी विवाद किया। आरोप है कि नीरज ने सभापति पर कार चढ़ाने का भी प्रयास किया। बहरहाल पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। विवेचना जारी है।

सड़क हादसे में दंपती की दर्दनाक मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

मौसी के घर पर खाना खाते विवाहित दंपतीी को रात हो गई। लेकिन मौसी ने दोनों को घर लौटने से मना किया था। कुछ देर बाद खबर आती है कि दोनों की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना खुर्सीपार क्षेत्र की है। जहां पुरानी बस्ती कोहका निवासी मुकेश कुर्रे 28 वर्ष और उसकी पत्नी कमलेश्वरी 26 वर्ष अपनी एक्टिवा सीजी 07 सीवाई 2426 में सवार होकर अपने मौसी के यहां से अपने घर जाने के लिए निकले थे। रविवार रात 10 बजे तेलहा नाला के पास जैसे एक्टिवा सवार दंपती पहुंचे, पीछे से अज्ञात ट्रक चालक पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में मुकेश, कमलेश्वरी नेशनल हाइवे पर बीचो-बीच गिर पड़े। तेज रफ्तार ट्रक चालक ने दोनों के सिर पर पहिया चढा दिया। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।चालक मौके से फरार हो गया। खबर लगने पर परिजन व आसपास के लोग नेशनल हाइवे पर पहुंचे। रायपुर से दुर्ग आने वाला नेशनल हाइवे पूरी तरह जाम हो गया।डेढ़ घंटे तक शव सड़क पर पड़ा रहा है। परिजन रोते बिलखते रहे लेकिन पुलिस भी लोगों को समझाती रही। थोडे देर बाद नेशनल हाइवे पर सैकड़ों लोगों की भीड़ इकठ्ठी हो गई।

परिजनों व आसपास के लोगों का आक्रोश काफी था टक्कर मारकर फरार होने वाले चालक की जानकारी पुलिस जुटा नहीं पाई है। मृतक मुकेश अपने भाई अशोक के साथ प्रिंटिंग प्रेस में काम करता था।आक्रोशित भीड़ ने सामने से गुजर रही एक ट्रक में जमकर तोड़फोड़ किया है। जबकि उक्त ट्रक का हादसे से कोई लेना देना नहीं है।

सड़क पर शव रखकर कई घंटे चक्काजाम

शव नेशनल हाइवे पर डेड़ घंटे तक पड़ा रहा। सड़क में जाम की स्थिति निर्मित हो गई, रायपुर से दुर्ग आने वाले वाहनों की जमकर भीड़ हो गई। मौके पर पुलिस बल पहुंची आक्रोशित लोगों को समझाया गया। मगर भीड़ नहीं हट रही थी। परिजनों ने शव को मरचूरी ले जाने के लिए एम्बुलेंस में ले जाने का गुहार किया। लेकिन मुकेश, कमलेश्वरी के शव को पुलिस वाहन में लेकर सुपेला मरचूरी में छोड़ा गया। जहां भी परिजनों ने पुलिस के रवैए को लेकर आक्रोशित हुए। सोमवार को शव का पीएम कर परिजनों को सौपा गया।

घटनास्थल है डेंजर पाइंट

तेलहा नाला खुर्सीपार सड़क हादसे का डेंजर पाइंट है। इसके पहले भी यहीं पर एक युवक और महिला की हादसे में मौत हो चुकी है। इसे लेकर ट्रैफिक पुलिस कुछ खास नहीं कर पाई है। इसी जगह पर वाहन चालक रायपुर से दुर्ग की ओर आते समय काफी रफ्तार में चलते है। इनकी रफ्तार को कम करने में ट्रैफिक पुलिस कुछ खास नहीं कर पा रही है। इसके कारण ही खुर्सीपार क्षेत्र में हादसे बढ़ते जा रहें है, मुकेश और कमलेश्वरी भी इसी रफ्तार के शिकार हुए और कुर्रे परिवार में मातम पसर गया है।

टक्कर से दोनों सड़क के बीच जा गिरे

जिस स्कूटी से मुकेश, कमलेश्वरी घर लौट रहे थे। वह दहेज की थी, दोनों मौसी के घर से हंसी खुशी अपने घर पुरानी बस्ती कोहका लौट रहे थे। तभी तेलहानाल खुर्सीपार के एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक स्कूटी को पीछे से टक्कर मार दिया। हादसे में मुकेश और कमलेश्वरी सड़क के बीच गिर पड़े।चालक लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दोनों चपेट में लिया। हादसा इतना खतरनाक था दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मुकेश व उसकी पत्नी का शव आजू बाजू में पड़ा हुआ मिला।

सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी को खोजा जा रहा

सड़क हादसे में पति पत्नी की मौत हुई है। पुलिस वाहनों में किसी तरह का कोई तोड़फोड़ नहीं की गई है। अज्ञात ट्रक चालक की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।पुलिस के हस्तक्षेप के बाद माहौल शांत हुआ। सीसी कैमरों को खंगाला जा रहा है।

-हरिश पाटिल, सीएसपी छावनी

जिले में सालभर से जमीन की खरीदी-बिक्री का नहीं रहा प्रमाणीकरण

दुर्ग में लंबे समय से ऋण पुस्तिका नहीं, अटके राजस्व के मामले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्ग

जिले में पिछले लंबे समय से ऋण पुस्तिका की किल्लत है। जमीन के सौदे के बाद खरीददार जमीन की रजिस्ट्री करा रहे हैं, लेकिन पटवारियों के पास ऋण पुस्तिका नहीं होने के कारण नामांतरण कार्य अटक गया है। यही नहीं लोग सौदे के बाद जमीन तक नहीं बेच पा रहे हैं। जमीन के एवज में लोगों को बैंक से लोन नहीं मिल पा रहा है। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। जिला भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी अनुसार जून माह 2024 को जिले के लिए 30 हजार ऋण पुस्तिका की डिमांड भेजी थी। जरूरत के अनुसार की गई डिमांड पर अगस्त माह में जिले को सिर्फ 15 हजार ही ऋण पुस्तिका उपलब्ध कराई गई। वह भी पटवारियों के पास खत्म हो चुकी है। वर्तमान में पटवारी भी ऋण पुस्तिका नहीं होने का बहाना बनाकर हाथ खड़े कर दे रहे हैं। इसके चलते न सिर्फ खरीददार परेशान हैं, बल्कि रजिस्ट्री प्रभावित होने से राज्य शासन को भी लाखों रुपए का नुकसान रोजाना हो रहा है। बहरहाल 30 हजार ऋण पुस्तिका की डिमांड के बाद भी बेहद कम ऋण पुस्तिका मिलने के मामले में अफसर भी कुछ कहने से बच रहे हैं। इससे किसान, इन्वेस्टर और ब्रोकर भी सौदा कराने के बाद रजिस्ट्री कराने में विफल हो रहे हैं, जिसके चलते उन्हें सौदा निरस्त होने की भी चिंता सताने लगी है। ऋण पुस्तिका नहीं होने का फायदा भी पटवारी वर्ग जमकर उठा रहे हैं।

अगस्त 2024 से नहीं हुई सप्लाई

ऋण पुस्तिका नहीं होने से टल रहे सौदे

जानकारी अनुसार जिला पंजीयक में रोजाना 150 से 250 रजिस्ट्रियां रोज होती है। लेकिन ऋण पुस्तिका नहीं होने के कारण जहां सौदे टल रहे हैं, वहीं क्रेता और विक्रेता रजिस्ट्री नहीं करा पा रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ ऐसे फरियादी जिन्होंने रजिस्ट्री करा ली है, लेकिन उनका नामांतरण पटवारी के पास अटका हुआ है। लगातार वे रजिस्ट्री दफ्तर के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है।

सबसे ज्यादा दुर्ग में परेशानी शिकायत का भी असर नहीं

जानकारी अनुसार सबसे ज्यादा डिमांड दुर्ग ब्लॉक में रहती है। यहां जून माह में दस हजार ऋण पुस्तिका की डिमांड की गई थी। वहीं अहिवारा के लिए एक हजार, पाटन के लिए पांच हजार, भिलाई तीन के लिए पांच हजार और बोरी के लिए तीन सौ की डिमांड की गई थी। इस तरह करीब तीस हजार की डिमांड किए जाने के बाद सालभर में सिर्फ 15 हजार ऋण पुस्तिका भेजी गई है।

डिमांड भेजे

पिछले साल अगस्त माह में तीस हजार ऋण पुस्तिका का डिमांड भेजा गया था। अब तक 15 हजार ही मिले हैं। फिर से डिमांड भेजी गई है।

-अजीत चौबे
अधीक्षक भू अभिलेख दुर्ग

नाबालिग से अप्राकृतिक कृत्य, अपराध हुआ दर्ज

भिलाई। बाल संप्रेक्षण गृह के एक बालक के साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध कायम कर जांच में लिया है। पुलगांव पुलिस ने बताया कि संस्थान के परिवीक्षा अधिकारी ने रामकुमार सूर्यवंशी ने अपचारी बालक के साथ घटना करना पाया गया है। पुलिस ने अधिकारी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बाल संप्रेक्षण गृह दुर्ग में लगातार यौन उत्पीड़न करने की शिकायते लगातार मिलती रही है। लेकिन शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय के संज्ञान में मामला आने के बाद महिला एवं बाल विकास ने पुलिस में शिकायत किया। आरोपी परिवीक्षा अधिकारी रामकुमार सूर्यवंशी के खिलाफ पॉक्सो समेत अन्य धाराओं के तहत जुर्म दर्ज किया है।

खबर संक्षेप

तीन दिवसीय भ्रमण कर लौटा प्रतिनिधि मंडल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ के सह संयोजक शिव चन्द्राकर के नेतृत्व में दुर्ग से प्रतिनिधि मंडल गोवा प्रदेश के जलवायु व पर्यावरण का अवलोकन करने तीन दिवसीय भ्रमण पर गोवा के सुदूर अंचल तक गए थे। उन्होने मछुआरा जातियों के जीवन के रहन-सहन को करीब से अनुभव करना तथा 131 एकड़ में दुर्लभ मसाले की खेती व जंगल का भ्रमण किया गया। साथ ही गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय रक्षा मंत्री स्व. मनोहर पारींकर की समाधि पर माल्यार्पण व उनके परिवार वालों से भेंट मुलाकात किया गया। यात्रा के अंतिम दिवस तय कार्यक्रम अनुसार गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत से भेंट मुलाकात कर गोवा प्रदेश के अनुभव को हम लोगों ने साझा किया। भ्रमण दल में आर्थिक प्रकोष्ठ प्रदेश सहसंयोजक शिव चन्द्राकर, प्रदेश कार्यालय सह मंत्री संजय सिंह, जिला आर्थिक प्रकोष्ठ संयोजक व चैंबर ऑफ़ कॉमर्स दुर्ग जिला के अध्यक्ष अनूप गटागट, मनोज अग्रवाल, अजय चन्द्राकर, मनोज दानी, अमर भोई, अनिल साहू, रामकुमार ठाकुर, ईश्वरी देवांगन, रावेंद्र मिश्रा, अज्जू कुरैशी, नंदकिशोर शर्मा शामिल थे।

केपीएस में ग्लोबल विलेज प्रदर्शनी

दुर्ग। कृष्णा पब्लिक स्कूल, दुर्ग में ग्लोबल विलेज प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह आयोजन सांस्कृतिक विविधता, वैश्विक ज्ञान और छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को दर्शाने वाला एक अनूठा प्रयास रहा। इस प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्रों ने विभिन्न देशों की संस्कृति, परंपराओं, पहनावे, खान-पान, कला, शिल्प, नृत्य और संगीत को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में लगे मॉडल, चार्ट, पारंपरिक व्यंजन और देश विशेष पर आधारित गतिविधियाँ सभी आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र रहीं। प्राचार्य ने बताया इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों में वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करना, विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और समझ पैदा करना है।

आधा दर्जन वार्ड में अमृत मिशन की पाइपलाइन फूटी, पेयजल आपूर्ति प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

महज दो साल के अंदर ही अमृत मिशन के तहत शहर की पाइप लाइन फूटने की शिकायतें सामने आ रही हैं। हालात यह है कि जल विभाग द्वारा आधा दर्जन से अधिक वार्डों में वाल्व मरम्मत कर काम चलाया जा रहा है। यही कारण है कि सत्तापक्ष कांग्रेस कार्यकाल में हुए निर्माण की शिकायत करने की तैयारी में है।

जानकारी अनुसार दुर्ग में अब तक पद्नाभपुर टंकी, गिरधारी नगर, हनुमान नगर, शक्तिनगर, तांदुला बस स्टैंड की टंकी और बोरसी की टंकी के वाल्व में लगातार खराब सामने आ रही है। जिसके चलते मरम्मत करने निगम का आय दिन शटडाउन करने की स्थिति निर्मित हो रही है, जिससे पेयजल सप्लाई आय दिन बाधित हो रही है। उल्लेखनीय है कि, दुर्ग नगरनिगम अमृत मिशन का कार्य वर्ष 2023 में पूरा किया गया था। बताया जा रहा है कि, पाइप लाइन मरम्मत का निगरानी ठेका कंपनी द्वारा की जा रही थी। दो साल की अवधि समाप्त होने के बाद अब गडबडी सामने आ रही है। नगरनिगम द्वारा पाइप लाइन मरम्मत करने 6 लाख रूपए की स्वीकृति दी है। जिससे पाइप लाइन मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

सत्तापक्ष कांग्रेस कार्यकाल में हुए निर्माण की शिकायत करने की तैयारी में

मिलपारा टंकी के घटिया निर्माण की जांच नही

वार्ड नंबर 38 मिलपारा पानी टंकी का निर्माण अमृत मिशन के तहत किया गया था। पहली टेस्टिंग में ही टंकी से पानी रिसने लगा था। इसकी शिकायत पूर्व पार्षद नीता जैन ने जिला प्रशासन से की थी। वर्तमान में अब तक इस टंकी को इसलिए पूरा नही भरा जा रहा है। क्योकि इसमें लिकेज है। इस मामले की जांच के लिए पूर्व में नगरनिगम और पीएचई विभाग की टीम भी बनाई गई थी। लेकिन अब तक टंकी के घटिया निर्माण मामले में कंपनी पर जांच नही की गई है। जबकि लीपापोती ही कर दी गई।

सत्तापक्ष राज्य शासन से करेगी शिकायत

जल विभाग के प्रभारी लीना दिनेश देवांगन का कहना है कि, आय दिन अमृत मिशन की टंकी में वाल्व खराब होने की शिकायत सामने आ रही है। उन्होने बताया कि, वर्ष 2023 में निर्माण पूरा हो चुका था। मिशन का कार्य 157 करोड़ रुपए में किया गया था। इस दौरान शहर में 80 फीसदी आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने पाइप लाइन लगाया गया था। लेकिन दो साल में ही पोल खुल गई है। उनका कहना हैं कि, अमृत मिशन के कार्य की जांच करने राज्य शासन को पत्र लिखा जाएगा।

गड़बड़ी : एक का इंक्रीमेंट और दूसरे की उपादान राशि रोकी

आवास ऋण घोटाले में मुरमुंदा और देवकर शाखा प्रबंधक पर कारवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अधीन आने वाले बेमेतरा के देवकर और दुर्ग के मुरमुंदा शाखा प्रबंधक पर कार्रवाई की गाज गिरी है। बैंक ने आवास ऋण घोटाले की जांच में दोनों तत्कालीन शाखा प्रबंधक को दोषी पाया है। इस जांच रिपोर्ट के अनुसार कलेक्टर अभिजीत सिंह की अनुशंसा पर देवकर के शाखा प्रबंधक रहे राकेश सैनिक का दो इंक्रीमेंट और मुरमुंदा शाखा प्रबंधक रहे राजेन्द्र शर्मा के रिटायरमेंट के बाद जारी होने वाले उपादान राशि रोकने की कार्रवाई की गई है। दोनो शाखा में आवास ऋण मामले में 19 लाख की गडबडी मिली थी।

हांलाकि दोनो शाखा प्रबंधक पर की गई कार्यवाही खानापूर्ति तक सिमट गई है। बडी बात यह है कि, लोन राशि की रिकवरी नही होने से बैंक को नुकसान हुआ है, जिसकी रिकवरी अब तक नही हो पाई हैं। उल्लेखनीय है कि, हरिभूमि द्वारा ही बेमेतरा के नवागढ शाखा में करीब 75 लाख के आवास ऋण घोटाले का मामला उठाया था। इस मामले में बेमेतरा के कलेक्टर रणबीर शर्मा ने इंजीनियर एसके निवसरकर और विकासधर और शक्तिधर दीवान के खिलाफ थाने में एफआईआर कराई थी। ठीक इसी तरह का मामला बेमेतरा के देवकर शाखा में हुआ था। इस प्रकरण में लोनी अशोक शर्मा पिता भगवती शर्मा जामगांव को 15 लाख रूपए जारी कर दिया गया था, इस मामले की जांच तत्कालीन शाखा प्रबंधक केके नायक के निर्देश पर जांच अधिकारी एसके निवसरकर ने जांच की थी। इसमें 24 सौ वर्गफीट आवास बताकर पन्द्रह लाख लोन लिया गया था। जबकि जांच में मौके पर सिर्फ 668.47 वर्गफीट ही आवास पाया गया था, जिसमें सिर्फ चार लाख खर्च करना पाया गया, इसमें 11 लाख की गडबडी पाई गई। इस मामले में शाखा प्रबंधक रहे राकेश सैनिक को दोषी पाया गया था, वर्तमान में वे नगपुरा में शाखा प्रबंधक है। इनकी सिर्फ दो इंक्रीमेंट रोकी गई।

देवकर में 11 लाख और मुरमुंदा शाखा में आठ लाख की हुई थी गड़बड़ी

मुरमुंदा शाखा में इस तरह हुई थी गड़बड़ी

दुर्ग के शाखा मुरमुंदा में भी तत्कालीन शाखा प्रबंधक दिनेश वर्मा ने जांच की थी। जिसमें ऋणी अजय कुमार टोकेकर पिता नारायण राव टोकेकर द्वारा 2400 वर्गफीट की जमीन बताकर 12 लाख रूपए निकाल लिए थे। जबकि जांच में पता चला कि, इनके द्वारा मकान में सिर्फ 4 लाख 89 रूपए 715.50 वर्गफीट पर खर्च किए गए। इनके द्वारा करीब 8 लाख राशि ढकार कर खाता को एनपीए किया गया। इसमें शाखा प्रबंधक राजेन्द्र शर्मा को खाता एनपीए होने पर दोषी बताया गया है, जो वर्तमान में बोरसी शाखा प्रबंधक है।

दो कलेक्टरों की कार्रवाई अलग-अलग, ऐसे समझे

बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने तत्कालीन दुर्ग कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी (प्राधिकृत अधिकारी) की अनुशंसा पर नवागढ थाने में इंजीनियर एसके निवसरकर और दो लोनी पर एफआईआर दर्ज कराया था। यही मामला देवकर और मुरमुंदा का है, जिसमें वर्तमान में दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह जो प्राधिकृत अधिकारी है। उन्होने देवकर में राकेश सैनिक का दो इक्रीमेंट रोका और मुरमुंदा के राजेन्द्र शर्मा का उपादान राशि रोकी है, जो रिटायर्ड हो गए है। जबकि इससे ज्यादा गडबडी देवकर में हुई है, उनका सिर्फ दो इक्रीमेंट रोका है, जो महज 10-15 हजार ही होगा। ऐसे में सवाल उठता है कि, डूबत राशि की वसूली कैसे होगी।

पहले भी उपादान रोकी कोर्ट से मिल गई राहत

सूत्रों ने बताया कि, नगपुरा ब्रांच में एक करोड का घोटाला हुआ था। उस दौरान दोषी पाए गए गजाधर साहू लेबर कोर्ट गए थे। जिसके बाद उनकी उपादान राशि जारी कर दी गई थी। जानकरो की माने तो उपादान राशि रोकने का कोई नियम ही नही है। ऐसे में प्राधिकृत अधिकारी के कार्यवाही पर सवाल उठ रहे है। सवाल इस बात की है दोनो शाखा में 19 लाख की गडबडी हुई है, जिसकी रिकवरी करने कोई प्रयास नही किया गया।

लोनी का चेक बाउंस कोर्ट में लगे प्रकरण

जिला सहकारी केन्द्रिय बैंक के सीईओ एके जोशी ने बताया कि, दोनो शाखा में लोनी से रिकवरी की कार्यवाही की गई है। उनका कहना है कि, दोनो से चेक लिया गया था। लेकिन बाउंस होने के बाद प्रकरण सिविल कोर्ट में लगाया गया है। उन्होने बताया कि, देवकर शाखा में लोनी अशोक कुमार पिता भगवती प्रसाद शर्मा जामगांव और मुरमुंदा में लोनी अजय कुमार टोकेकर पिता नारायण राव टोकेकर का चेक बाउंस मामले में कोर्ट में प्रकरण चल रहे है।

कार्रवाई की गई

देवकर शाखा प्रबंधक का दो इंक्रीमेंट और मुरमुंदा के मामले में उपादान की राशि रोकी गई है। लोनी से रिकवरी के लिए चेक लिया गया था, बाउंस होने के बाद सिविल कोर्ट में प्रकरण लगाया गया है।
-एसके जोशी, सीईओ जिला सहकारी केन्द्रिय बैंक

ठेकेदारों के भरोसे न रहे फील्ड पर करें मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मेयर अलका बाघमार ने इंजीनियरों को सौंपे नए प्रभार वाले वार्डों की जिम्मेदारी मिलने के बाद मेयर

- मेयर ने अधिकारियों की ली बैठक, दिए निर्देश

अलका बाघमार ने इंजीनियरों की बैठक लेकर निर्माण कार्यो में तेजी लाने बारी-बारी कार्यो की जानकारी ली। मेयर ने कहा वार्डो के भीतर जर्जर सड़को मे डस्टफीलिंग डालने के लिए जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश।

मेयर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि बिना लेआउट स्वीकृति के भवन अनुज्ञा नही प्राप्त होगी। अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही होगी। बैठक में अधिकारी भी विकास कार्यो को लेकर गंभीरता दिखाए अधिकारी फील्ड मे जाकर निरीक्षण करेंगे। ठेकेदारो के भरोसे कार्यो को ना करवाये, शहर में चल रहे विकास कार्यो को जल्द पुरा कराए। शहर क्षेत्र के वार्डो के भीतर सड़क में पानी भराव की स्थिति ना हो उसको ध्यान मे रखते हुए कच्ची सड़क से पानी निकासी हेतु नाली की व्यवस्था बनाए। जल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के पालन को लेकर सख्ती के निर्देश दिए गए। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पहले से अनिवार्य है, लेकिन नगर निगम द्वारा अब इसे लेकर सख्ती बरती जाएगी।

बगैर सत्यापन नहीं मिलेगी पूर्णता प्रमाण पत्र

मेयर ने कहा रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के सत्यापन के बिना, किसी भी भवनों को पूर्णता प्रमाण पत्र जारी नहीं होगा। ठेकेदार समयसीमा में पूर्ण नहीं करते तो नियमानुसार उनके टेंडरों को निरस्त कर ब्लेक लिस्ट करने की कार्यवाही की जाएगी। मेयर ने कहा कि जिस भी काम्प्लेक्स में अंडर ग्राउंड पार्किंग को बंद किये हैं उसकी जांच कर कार्यवाही किया जाएगा। उन्होंने कहा जो भी महत्वपूर्ण कार्य शेष रह गए हैं, उन्हें समय रहते पूरा किया जाना है। प्रत्येक वार्ड में स्वीकृत कार्यों, प्रगतिरत कार्य, आप्रारंभ कार्य के विषय में जानकारी ली। इस अवसर पर उपअभियंता हरिशंकर साहू, विनोद मांझी, अर्पणा मिश्रा, विकास दमाहे, प्रेरणा दुबे मौजूद रहें।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला-दुर्ग
उदघोषणा

रा.प्र.क./........ ....अ-06/वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदकगण उमा शंकर अवस्थी पिता स्व. बी.पी. अवस्थी एवं अन्य 06 निवासी गली नंबर-3, दीपक नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम तितुरडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं 122/218 रकबा 0.12 हे./6200 वर्गफीट भूमि आवेदक क्र. 01 से 04 की माता शांति बाई पति बी.पी. अवस्थी एवं आवेदक क्र. 05 से 07 की माता श्रीमती मनोरमा अवस्थी पति नारायण प्रसाद अवस्थी ने पंजीकृत बयनामा द्वारा श्रीमती ओमबती बाई वर्मा ध.प. महावीर प्रसाद वर्मा निवासी तितुरडीह दुर्ग से दिनांक 22/10/1981 से क्रय किया गया है। पंजीकृत बयनामा का प्रमाणीकरण किया जाकर भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका क्र. 513944 में दर्ज किया जाकर न्यायालय तहसीलदार दुर्ग द्वारा ऋण पुस्तिका में संशोधन पंजी कमांक 86/1980-81 सरल क्रमांक 3/1981-82 खाता नं. 916/1980-81 दर्ज किया गया था। संशोधन प्रमाणीकरण पश्चात आवेदक क्र. 1,2,3,4 की माता शांति बाई एवं आवेदक क्र. 5,6 एवं 7 की माता श्रीमती मनोरमा अवस्थी का नाम संयुक्त रूप से दर्ज है। ऋण पुस्तिका व पंजीकृत बयनामा दिनांक 22/10/1981 में आवेदक क्र. 01 से 04 की माता शांति बाई एवं आवेदक क्र. 05 से 07 की माता श्रीमती मनोरमा अवस्थी का नाम दर्ज है, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेख में शांति बाई का नाम त्रुटिवश दर्ज नहीं किया गया है तथा वर्तमान में आवेदित भूमि के सहक्रेता आवेदक क्र. 05 से 07 की माता श्रीमती मनोरमा अवस्थी की मृत्यु दिनांक 16/05/2018 एवं आवेदक क्र. 01 से 04 की माता श्रीमती शांति बाई की मृत्यु दिनांक 22/05/2025 को हो चुकी है। यह कि आवेदकगण का नाम जोड़े जाने तथा संशोधन किये जाने हेतु माननीय न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग द्वारा पारित आदेश दिनांक 30/04/2025 एवं पंजीकृत बैनामा के आधार पर आवेदकगण का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 18/07/2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 02/07/2025 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक 02/07/2025
सुनवाई दिनांक 18/07/2025

तहसीलदार, (दुर्ग छ.ग.)

प्रधानपाठक पद पर वरिष्ठता प्रदान कर प्राचार्य पद की संशोधित पदोन्नति सूची जारी करने की मांग

भिलाई। प्रदेश के सैकड़ों व्याख्याता शिक्षक जो प्रधान पाठक पूर्व माध्यमिक शाला से पदोन्नत होकर व्याख्याता बने हैं और जो स्नातकोत्तर एवं प्रशिक्षित हैं, उन्होंने शिक्षा सचिव और संचालक को आवेदन देकर न्यायालय के पारित आदेश के पालन में एच एम पद से वरिष्ठता देकर विगत 30 अप्रेल को जारी प्राचार्य पदोन्नति आदेश में शामिल कर संशोधित पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की है। उन्होंने अपने आवेदन में अवगत कराया है कि छग उच्च न्यायालय ने अपने पारित आदेश दिनांक 9 मार्च 2023 को यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि छग स्कूली शिक्षा शैक्षिक एवं प्रशासनिक संवर्ग नियम 2019 के

नियम 15(1) अल्ट्रावायरस है और उन्होंने इसे संशोधन करने का निर्देश दिया था परन्तु इसे बिना संशोधित किए पदोन्नति आदेश जारी कर दिया गया है इससे प्रदेश के सैकड़ों वरिष्ठ पात्र व्याख्याता पदोन्नति से वंचित हो रहे हैं न्यायालय के वर्तमान पारित आदेश दिनांक 1 जुलाई 2025 में भी न्यायालय ने इस नियम को संशोधन करने के अपने पूर्व आदेश पर सहमति दिया है इस संबंध में दुर्ग सांसद विजय बघेल और छग प्रदेश शिक्षक संघ ने भी शिक्षा सचिव को पत्र लिखकर न्यायालय के पारित आदेश का पालन करने की मांग करते हुए संशोधित पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की है। प्रभावित व्याख्याताओं ने यह भी बताया कि पदोन्नति आदेश जारी करने के पहले व्याख्याता संवर्ग की स्नातकोत्तर एवं प्रशिक्षित प्रधान पाठक के पद पर वरिष्ठता प्रदान कर वरिष्ठता सूची जारी नहीं किया है।

जर्जर सड़क और अतिक्रमण से बढ़ी समस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

कलेक्टर जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 80 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन में अतिक्रमण के भी आवेदन सामने आए, जिसे लेकर कार्यवाही का आश्वासन दिया गया हैं।

शिवपारा वार्ड क्रमांक 38 के निवासी ने अपने क्षेत्र में व्याप्त अतिक्रमण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि, वार्डवासी द्वारा उनके निवास मकान के सामने अतिक्रमण कर भैसांपुर चबूतरा का निर्माण कर लिया गया है। जहां नियमित रूप से पशु बलि जैसी गतिविधियाँ की जाती हैं। इस चबूतरे के कारण आम रास्ता बाधित हो रहा है, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी असुविधा हो रही है। संकरी सड़क और धार्मिक गतिविधियों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। आवेदक ने भैसांपुर चबूतरे को हटाकर किसी अन्य स्थान पर स्थापित करने के लिए

आवेदन दिया। राजीव नगर वार्ड क्रमांक 4 के वार्डवासियों ने बताया कि बारिश में जलभराव की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय रहवासियों ने बताया कि, क्षेत्र की तीन प्रमुख नालियाँ वार्ड 2 (शिव नगर), वार्ड 4 (राजीव नगर), और वार्ड 3 (मठपारा) की निकासी का पानी नया आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित एक संकीर्ण नाली में मिलती हैं। यह नाली मोहल्ले की महिला के घर के बगल से होकर गुजरती है, महज 3 फीट चौड़ी है, जबकि इससे जुड़ने वाली नालियां इससे कहीं अधिक चौड़ी हैं। इस पर डिप्टी कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम दुर्ग को परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

खराब सड़कों की मरम्मत को लेकर शिकायत

वार्ड 58 के पूर्व पार्षद ने सड़क जीर्णोद्धार के लिए आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि, उरला क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 57 एवं 58 में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई सड़क, जो चंडी चौक से होकर नदी रोड होते हुए उरला तक जाती है। बजरंग होटल से बजरंग पारा तक की सड़के खराब है। यह सड़क इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि प्रतिदिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं। कभी भी गंभीर दुर्घटना हो सकती है। यह मार्ग न केवल क्षेत्रीय नागरिकों के लिए, बल्कि उरला हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए भी मुख्य रास्ता है। छात्राएं आए दिन इस जर्जर सड़क से स्कूल आना-जाना करते हैं, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा बना रहता है। रात के समय बेलौदी, मालूद और आसपास के गांवों के राहगीर आवागमन करते हैं।

चित्रात्मक पुस्तकों और कार्य पुस्तिकाओं से पढ़ाई को बनाया गया है रोचक

पहली से तीसरी के बच्चों की आधुनिक तकनीक से पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

देशभर में प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूती देने वाले निपुण भारत मिशन की चौथी वर्षगांठ के अवसर पर एक संस्था जो वर्ष 2020 से बाल शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत एक प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संस्था है, ने विगत दिन जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय, बोरिगारका में अपनी पहली स्तंभशाला का शुभारंभ किया। यह पहल ग्रामीण भारत में गुणवत्तापूर्ण और मूलभूत शिक्षा को बच्चों तक सुलभ कराने की दिशा में एक मील का पत्थर मानी जा रही है।

- बुनियादी शिक्षा की ओर एक मजबूत कदम

स्तंभशाला एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गई कक्षा है, इस कक्षा को आधुनिक तकनीकी और शिक्षण उपकरणों से सुसज्जित किया गया है। स्मार्ट एलईडी टीवी के माध्यम से बच्चों को ऑडियो-विजुअल माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। रिच प्रिंट स्टडी मैटेरियल, चार्ट्स, चित्रात्मक पुस्तकों और कार्यपुस्तिकाओं से बच्चों की पढ़ाई को रोचक और प्रभावशाली बनाया गया है। फन लर्निंग एक्टिविटी किट और शैक्षिक खिलौनों के माध्यम से बच्चों को खेल-खेल में सीखने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नंदलाल चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि श्रद्धा साहू सभापति, जिपं. दुर्ग, जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी, ग्राम सरपंच चुम्मन यादव संकुल प्रिंसिपल जांगड़े उपस्थित थे।

बच्चों ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

टीम सदस्य अनुराग शर्मा ने बताया कि संस्था पिछले 2.5 वर्षों से ग्रामीण क्षेत्रों में बाल शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है और अब वह दुर्ग जिले के साथ-साथ पूरे छत्तीसगढ़ में अपने प्रयासों का विस्तार करने की योजना बना रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसमें देशभक्ति गीत, कविता पाठ और समूह नृत्य प्रमुख रहे।

तीसरे तक हर विधा में निपुण होंगे

मुख्य अतिथि श्री चौधरी ने कहा कि "स्तंभशाला जैसी पहल देश की बुनियादी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। यह समय की आवश्यकता है कि हम बच्चों को उनकी प्रारंभिक शिक्षा में सशक्त बनाएं। निपुण भारत मिशन का उद्देश्य भी यही है कि, 2026 तक हर बच्चा कक्षा 3 के अंत तक पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणितीय कौशल में निपुण हो। संस्था के अध्यक्ष प्रतीक ठाकरे ने बताया कि बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों की सहायता से एक विशेष पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम बच्चों की सीखने की क्षमता, रुचि और सीखने की गति के अनुरूप अनुकूलित है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य शिक्षा को बोझ नहीं, बल्कि एक आनंदमयी अनुभव बनाना है। स्तंभशाला के माध्यम से हम बच्चों के अंदर सीखने की जिज्ञासा जगाने का प्रयास कर रहे हैं। यह हमारी पहली कक्षा है, और आने वाले महीनों में हम अन्य स्कूलों में भी इस मॉडल को लागू करेंगे।

General Information

It is informed to the general public that I, Alakh Ram Sinha, father Shri Samaruram Sinha, age 66 years, resident of 37, Kurud Ward No. 14, Sundar Vihar Colony, Bhilai Tehsil and District Durg, Chhattisgarh, In the passport number N 1385277 of my son **Yad Ram Sinha**, my name is **Alakh Ram** in place of father, whereas in my Aadhaar card and my son's Aadhaar card, the father's name is **Alakh Ram Sinha.**

That my son wants to get his father's name i.e. my name **Alakh Ram Sinha** registered in his passport.

Hence, from today onwards, in all my semi-official and other documents, my new name should be known and called as **Alakh Ram Sinha.**

Alakh Ram Sinha

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202507101000009

विषय:-अ-6 अ सन:-2024-2025

मामले की श्रेणी:- राजस्व

कुरूद (पह न. 00046),
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार रिजवाना बेगम, अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

आवेदक - रिजवाना बेगम पिता/पति/विभाग अब्दुल रहमान पता-केम्प 01 भिलाई द्वारा ग्राम-कुरूद प.ह.न. 46 रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग की भूमि ख.न. 556/13 रकबा 0.0110 हे. विक्रेता नरसिंह पिता पदुम से क्रय किया गया था। उक्त भूमि वर्तमान पटवारी अभिलेख में आवेदक के स्थान पर.... प्रदर्शित हो रहा है। जिसे त्रुटी सुधार किये जाने हेतु न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 23/07/2025 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयवधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 01/07/2025 को जारी किया जाताहै।

अतिरिक्त तहसीलदार
उप तहसील, भिलाई नगर (छ.ग.)

आम सूचना

(ग्राम बघेरा, प.ह.नं. 07 अ, रा.नि.मं. दुर्ग 1, तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) स्थित भूमि खसरा नं. 261/2, 261/3, 261/4 रकबा क्रमशः 0.101, 0.174 एवं 0.097 हेक्टे. के संबंध में)

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार शिवदयाल पिता स्व. भूषण सिंह वगैरह, निवासी वार्ड नं. 56, बघेरा दुर्ग (छ.ग.) के हक एवं स्वामित्व की कृषि भूमि मौजा ग्राम बघेरा, प.ह.नं. 07 अ, रा.नि.मं. दुर्ग-1, तह. व जिला दुर्ग में स्थित खसरा नं.261/2, 261/3, 261/4 रकबा क्रमशः 0.101, 0.174 एवं 0.097 हेक्टे. स्थित है उक्त भूमि को मेरे द्वारा क्रेतागण मोक्षनंद साहू वगैरह, निवासी राजनांदगांव (छ.ग.) को युगल किशोर साहू एवं संजय साहू, निवासी जिला दुर्ग (छ.ग.) के मार्फत विक्रय किया गया है तथा क्रेतागण द्वारा मुझे इकरारनामा अनुसार सौदे की पूर्ण रूपया आज दिनांक तक प्राप्त नहीं हुई है। इसलिए उक्त भूमि का विक्रय पंजीयन निरस्त कराने हेतु सिविल कोर्ट दुर्ग में वाद संस्थित किया जा रहा है।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति संस्था, कंपनी, शासकीय, अर्द्धशासकीय, निकाय इत्यादि से उक्त वर्णित भूमि के संबंध में कोई संव्यवहार ना करे, अन्यथा उन्हें कोई स्वतत्व एवं आधिपत्य की प्राप्ति नहीं होगी।

इस सूचना के पश्चात भी यदि कोई संव्यवहार किया जाता है तो उसके लिए सदभावी क्रेता नहीं होंगे तथा उसके परिणामों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेंगे, सो सूचना जाने व तदनुसार कार्य करें।

सो सूचना जाने। भवदीय
स्थान- दुर्ग (छ.ग.) अमर कुमार मिश्रा
दिनांकः-07/07/25 अधिवक्ता
मोबा.नं. 9109839570

खबर संक्षेप

विद्यालयीन पत्रिका मधुर किलकारी का विमोचन

पाटन। जिला-दुर्ग छत्तीसगढ़ में शैक्षणिक सत्र प्रारंभ में विद्यालयीन पत्रिका मधुर किलकारी का विमोचन हुआ। संस्था के प्रधानपाठक विरेंद्र कुमार के नेतृत्व में आयोजित यह आयोजन नवाचार,सहभागिता और रचनात्मक प्रयासों का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष चेतन वर्मा, मुख्य अतिथि सरपंच रजनी रामकुमार कुर्रे विशेष अतिथि उपसरपंच माधुरी मंडावी, शिक्षाविद एमएल चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि खोरबाहरा निर्मलकर, कौशल टिकरिया एवं पंच उपस्थित रहे। संचालन संस्था के प्रधानपाठक विरेन्द्र कुमार ने किया। कार्यक्रम में चेतन वर्मा, रजनी राम कुमार कुर्रे, माधुरी मंडावी, विरेन्द्र कुमार आदि मौजूद थे।

आज उप स्वास्थ्य केन्द्र में निःशुल्क जांच शिविर

सेलूद। उप स्वास्थ्य केंद्र सेलूद में 8 जुलाई को सुबह 10 से 3 बजे तक भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के निर्देश पर निशुल्क जांच शिविर आयोजित किया गया है। जिसमें विषय विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा ग्रामीणों बीपी, ब्लड शुगर , लिवर, किडनी, ब्लड में हिमोग्लोबिन की मात्रा की जांच की जायेगी।

जनप्रतिनिधियों ने रोपे पौधे

दुर्ग। झाड़ूराम देवांगन शासकीय विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया। जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह, जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे जिला उपाध्याय पवन शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक आदि मौजूद थे।

निधन

प्रदीप कुमार पाटिल

उतई। आदर्श ग्राम डूमरडीह

निवासी 40 वर्षीय प्रदीप कुमार पाटिल का आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे ग्राम पंचायत डूमरडीह के उप सरपंच भी रह चुके है।

गायत्री बाई

भिलाई। तथागत समाज कल्याण

समिति के सदस्य विजय मेश्राम निवासी क्वार्टर 18 बी सड़क एवेन्यू सी सेक्टर-2 की माता गायत्री बाई का 7 जुलाई को 2 बजे निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को सुबह 11 बजे राम नगर मुक्तिधाम में किया जाएगा।

आशीष राखुडे

दुर्ग। कादंबरी नगर निवासी आशीष राखुडे 45 वर्ष का 7 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अन्तिम यात्रा कादम्बिनी नगर स्थित निवास से मंगलवार सुबह 11 बजे शिवनाथ मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे अधिवक्ता अशोक राखुडे के भाई थे।

2 साल से प्रभारी अफसर के भरोसे धमधा शिक्षा विभाग का दफ्तर

स्कूल की समस्याओं का नहीं हो रहा निराकरण, मुख्यमंत्री से शिकायत की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

धमधा ब्लॉक के अंतर्गत करीब 277 स्कूल आते हैं, जिसमें प्राइमरी, मिडिल और हाई स्कूल शामिल हैं। पिछले 2 साल से धमधा ब्लॉक के शिक्षा विभाग में विकासखंड शिक्षा अधिकारी की बाग डोर प्रभारी अधिकारी के कंधों पर टिकी हुई है।

वहीं पूरे ब्लॉक में इन दिनों शिक्षकों का सरकार द्वारा लागू युक्तियुक्तकरण कानून के विरोध में धरना प्रदर्शन चल रहा है, तो दूसरी ओर कही स्कूल में टीचर नहीं तो कही स्कूल के बच्चों ने हड़ताल मचाया हुआ है, तो कही सक्षम अधिकारी के न होने से शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए चाह कर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सकता।

बात करें तो इन दिनों धमधा शिक्षा विभाग में पूर्व में बीइओ डहरिया के रिटायरमेंट के बाद यह विकासखंड शिक्षा अधिकारी नियुक्त नहीं किया गया। विभाग में 3 एबीओ हैं, जिनमें से सीनियर एबीओ कैलाश साहू को लगभग 2 सालों से प्रभारी के तौर पर रखा गया है। तब से आज तक धमधा विकास खंड शिक्षा अधिकारी की नियुक्ति प्रशासन द्वारा नहीं की गई है।

लंबे समय से अटकी हुई है बीईओ की पदस्थापना

धमधा शिक्षा विभाग में प्रभारी शिक्षा अधिकारी से काम चलाया जा रहा है। नियुक्ति क्यों नहीं की जा रही, इस बारे में कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा। इसके चलते स्कूलों में अव्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। आधे से ज्यादा स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की बात करें तो मेनु के अनुरूप नहीं मिल पा रहा है। इस बारे में जब डीईओ अरविंद मिश्रा से बात की गई, तो उन्होंने कोई भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी।

परेशानी : बुक डिपो से आधी-अधूरी पुस्तकें लेकर लौट रहे जिले के शिक्षक

नहीं मिल रहीं पाठ्य पुस्तक निगम से किताबें, स्कूलों में पढ़ाई हो रही प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

शिक्षा सत्र 2025-26 के 3 सप्ताह बीत जाने के बाद भी छत्तीसगढ़ पाठय पुस्तक निगम भंडार में पूरी पुस्तक उपलब्ध नहीं है। शिक्षकों को पुस्तक नहीं मिलने से खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्हें बैरंग लौटना पड़ रहा है। अव्यवस्था से पीड़ित परेशान शिक्षकों ने कहा कि शासन निःशुल्क पुस्तक दे रही है, लेकिन स्कूल वालों को एक बार में वाहनों का हजारों रुपए लग रहे हैं। पुस्तक लेने के लिए बार-बार डिपो तक जाना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ रही है। अच्छा होता एक बार में ही पूरा पुस्तक मिल जाता तो देर आए दुरुस्त आए वाली कहावत चरितार्थ हो जाती। लेकिन यहां तो देर आए उदास जाए फिर खर्च करके एक बार और आए वाली वाकया रचित हो गई है।

निःशुल्क पुस्तक की खर्च भरी कहानी

शासन से पहली से दसवीं तक पुस्तक निःशुल्क दी जाती है। जिसकी प्रक्रिया होती है पहले डीईओ से अनुशंसा लेने जिला मुख्यालय का प्रवास खर्च फिर पाठयपुस्तक निगम रायपुर डिपो हजारों रुपयों की किराया वाली वाहन लेकर पहुंचकर कतार में खड़े होकर चालान कटवाना और फिर पुस्तक मिलने की बारी का इंतजार करना ,बारी आ गई तो ठीक वरना फिर दूसरे दिन भाग्य आजमाना ।बमुश्किल ये निपट गया तो पता चलता है अनेकों पुस्तक ही डिपो में नहीं है।फिर एक बार हजारों का खर्चकर वाहन में आना पड़ेगा। और इस साल तो स्कैनिंग कर पुस्तक वितरण करने का फरमान है।

निःशुल्क पुस्तक लाने खर्च हो रहा बेहिसाब

ये पुस्तकें डिपो में नहीं मिली

सोमवार को डिपो में कक्षा 1 अंग्रेजी, कक्षा 2 हिंदी, कक्षा 4 हिंदी, कक्षा 4 पर्यावरण, कक्षा 5 हिंदी, कक्षा 5 पर्यावरण, कक्षा 6 संस्कृत, कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान भाग एक, कक्षा 7 सामाजिक विज्ञान भाग, कक्षा 8 गणित कक्षा 8 संस्कृत, कक्षा 8 सामाजिक विज्ञान भाग, कक्षा 8 सामाजिक विज्ञान भाग दो, कक्षा 9 अंग्रेजी, कक्षा 10 विज्ञान की किताबें नहीं मिलीं।

छत्तीसगढ़ पाठय पुस्तक डिपो में लगा रेला

छत्तीसगढ़ पाठयपुस्तक रायपुर बुक डिपो में दुर्ग जिला प्राइवेट स्कूलों को पुस्तक वितरण के लिए निर्धारित दो दिवसीय तिथि के प्रथम दिवस सोमवार को दुर्ग जिला प्राइवेट स्कूल वालों की लंबी कतार लग रही है। जब बारी आई तो पता चला डिपो में अनेक पुस्तक उपलब्ध ही नहीं है। फिर एक बार कतार लगाने की व्यथा से शिक्षकों का मन हुआ उदास।।आज हजारों रुपए खर्च कर वाहन में आए और फिर दूसरी बार हजारों रुपयों की चुना स्कूल को लगना तय है।।पढ़ाई तो पुस्तक के अभाव में अस्त व्यस्त होना ही है। नई पुस्तक के अभाव में पुरानी पुस्तक से पढ़ाई चल रही है नई पुस्तक में बदलाव हुआ हो तो एक माह की मेहनत पर पानी फिर जाएगा।

डिपो में पूरे दिन शिक्षकों को होना पड़ रहा परेशान

आधे अधूरे पुस्तक भी अनेक स्कूल को लंबी कतार के बाद भी नहीं मिल सकी डिपो में व्यवस्था बनाने वाले तो दूर की बात है कोई पूछताछ केंद्र की व्यवस्था भी नहीं है जिससे दूर दराज स्कूलों के प्रतिनिधियों को कोई मार्गदर्शन देकर सहायता कर सके।यहां पहुंचने के बाद केवल इंतजार और इंतजार की घड़ी चलती है।पहले चालान बनाने ,फिर आधे अधूरे पुस्तक संगृहीत करने और फिर डिपो प्रभारी से मिलने की इंतजार चलती है।

वितरण सरलीकरण की मांग

शासन के पास पुस्तक वितरण के लिए व्यवस्था डीईओ बीईओ बीआसी संकुल समन्वयक नोडल केंद्र की श्रृंखलात्मक सुव्यवस्था है फिर भी पुस्तक वितरण के लिए डिपो में बुलाकर घमासान मचाए हुए है इन माध्यमों का उपयोग शिक्षा प्रशासन हमेशा करती है पुस्तक वितरण में इन माध्यमों का उपयोग नहीं करके सर्वत्र परेशानी का सैलाब खड़ा कर दिए है।जो कतई किसी के हित में नहीं है।पुस्तक वितरण सरलीकरण किया जाना पीड़ित स्कूल वालों की मांग है।

भीड़ देख बौखलाए प्रभारी

आधे अधूरे पुस्तक वितरण की अव्यवस्था के संबंध में डिपो पुस्तक वितरण प्रभारी प्रतिभा अवस्थी ने हमारे प्रतिनिधि से कहा कि भीड़ बहुत ज्यादा है। बात करने की स्थिति में नहीं है। आपको जो करना है वो कर लें। भीड़ की दबाव से कर्मचारियों में बौखलाहट देखने की मिली। अंततः आधी अधूरी पुस्तक लेकर लौटना पड़ रहा है। इसे लेकर शिकायत का भी असर नहीं हो रहा है। पूरे प्रदेश में इसी प्रकार की स्थिति बनी हुई है। इधर किताबें नहीं मिलने से स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

अंचल की खबरें

कुम्हारी में मनाई गई पं. श्यामाप्रसाद की जयंती

कुम्हारी। रविवार को भाजपा कुम्हारी मंडल के द्वारा कर्मा भवन वार्ड-4 में स्व. पंडित श्यामाप्रसाद मुखर्जी की 124 वीं जयंती मनाई। कार्यक्रम में गोल्डी गोस्वामी ने पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी की लोकतांत्रिक विचारधारा एवं संगठन की महता के बारे में बताया इसके पश्चात निवर्तमान मंडल अध्यक्ष राजू निषाद ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डेय ने सत्ता और संगठन के सामंजस्य की बात कही। कार्यक्रम का संचालन दीपक चतुर्वेदी ने किया एवं कार्यक्रम का समापन मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिन्हा के द्वारा किया गया। इसके अलावा उक्त कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष मीना मंडल अध्यक्ष पीएन दुबे, योगेश साहू, अवधेश शुक्ला, रामाधार शर्मा, रामकुमार सोनी, फिंगेश्वर साहू, पार्षद ओंकार मार्कण्डेय,राजकुमार सिंह, रागिनी निषाद, सुजीत यादव, स्वर्णलता साहू , रामप्रकाश गुप्ता, गीता निर्मलकर आदि उपस्थित थे।

पिता के स्मृति में कराया गया न्योता भोजन

अंडा। पीएमश्री शासकीय प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक और हाई स्कूल विनायकपुर में शाला विकास समिति के अध्यक्ष मोतीलाल मार्कण्डे ने अपने पिता स्व.धनेश राम मार्कण्डेय की स्मृति में न्योता भोजन कराया गया। मोतीलाल मार्कण्डे शुरू से ही शिक्षा के क्षेत्र में काम करते आ रहे। पालकों की आवाज को शासन तक पहुंचाने का कार्य करते आ रहे हैं। सोमवार को अपने पिता को याद करके भावुक हो गए। कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी बच्चों एवं समस्त स्टाफ को लड्डू खिलाया गया। इस अवसर पर शाला परिवार की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में इस संस्था के प्राचार्य मनजीत सिंह राजपूत, पूर्व माध्यमिक शाला के प्रभारी नरेश कुमार गायकवाड़, पीएमश्री स्कूल के प्रधान पाठक टीकेन्द्र कुमार चन्द्राकर, ग्राम पंचायत विनायकपुर के सरपंच योगेन्द्र दिल्लीवार,शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष स्मृति सोनी,भामिनी महार,ललित बाई साहू, लक्ष्मी साहू,इन्द्राणी दिल्लीवार,उमेश्वरी साहू, तारिणी दिल्लीवार,डॉ.सीडी देवांगन, रेखलाल देशमुख, जगन्नाथ देवांगन, युवराज यादव आदि मौजूद थे।

धान उपार्जन केंद्र कचांदूर में पौधारोपण

ननकटठी। सेवा सहकारी समिति मर्या. सिरसा पंजीयन क्रमांक 2508 के धान उपार्जन केंद्र ग्राम कचांदूर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस वृक्षारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम में प्राधिकृत अधिकारी तोरण लाल वर्मा , संयुक्त आयुक्त संभाग अधिकारी मुकेश ध्रुवे एवं उप पंजीयक अधिकारी अवधेश मिश्रा ,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. दुर्ग से मार्केटिंग अधिकारी हिरदेश शर्मा, कुसुम ठाकुर, आरके पटेल ,एसपी वाहने, युवराज चंद्राकर, जेपी देशमुख , सेवा सहकारी समिति मर्या.सिरसा से तुमेश कुमार, लक्ष्मण चंद्राकर, ढालसिंह, रूपचंद, महिमा, लेखु, जागेश्वर, ग्राम पंचायत कचांदूर से सरपंच कीर्तन साहू, किसान अध्यक्ष लोकेन्द्र बंछोर आदि मौजूद थे।

पीएम आवास की दूसरी किस्त नहीं हुई जारी

पाटन। प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त जारी नहीं होने से कर्ज में डूबी बुजुर्ग महिला परेशान है। कुर्मीगुंडरा में प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त जारी नहीं होने से परेशान समारीन बाई मंडलेश ने शासन-प्रशासन से शिकायत की है। वृद्ध महिला ने सामाजिक नेता युगल आडिल को अपनी सारी समस्या बताई। युगल आडिल के साथ जनपद कार्यालय पहुंचकर समारीन बाई मंडलेश ने जनपद पंचायत पाटन के मुख्यकार्यपालन अधिकारी पठारे अभिजीत बबन को ज्ञापन देते हुए बताया की मेरे पति सिया राम मंडलेश के नाम से आवास स्वीकृत हुआ था। इसकी पहली किस्त जनवरी 2025 मे जारी की गई। इसी बीच पति की मृत्यु हो जाने की वजह से खाता बदलने की बात कहकर विभाग द्वारा मेरा खाता नंबर आधार पति का मृत्यु प्रमाण पत्र के अलावा अन्य दस्तावेज मंगाया गया। मैंने सरपंच के हाथों विभाग भिजवा दिया, लेकिन पूरे पांच माह बीत जाने के बावजूद दूसरी किस्त जारी नहीं हो पाई। कर्ज लेकर छत की ढलाई पूरी की। कर्ज नहीं पटा पाने की वजह से कच्चा घर या खेत बेचने की स्थिति निर्मित हो गई है। उन्होंने दूसरी किस्त जल्द जारी करने की मांग की।

छग की टीम पंजा कुश्ती के लिए केरल हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- 52 सदस्यीय दल त्रिसूर में दिखा रहा दम

छत्तीसगढ़ की 52 सदस्यीय पंजा कुश्ती टीम में केरल के त्रिसूर में आयोजित होने वाली सीनियर राष्ट्रीय पंजा कुश्ती स्पर्धा में भाग लिया। टीम ने विभिन्न आयु वर्गों में राज्य का प्रतिनिधित्व किया। इसमें सब जूनियर, जूनियर, यूथ, सीनियर, मास्टर और पैरा वर्ग शामिल हैं। टीम में बीएसपी भिलाई के खिलाड़ियों सहित राज्य के 52 खिलाड़ी थे। टीम को कोच श्रवण चौहान, पुरुष टीम कप्तान डॉ. पीयूष प्रकाश शर्मा, महिला टीम कप्तानः परलीन कौर और मैनेजर ऋषभ संतोष हैं। संघ के चेयरमैन बृजमोहन सिंह, अध्यक्ष जी सुरेश पिल्लई, जनरल सेक्रेटरी श्रीकांत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं।

पाऊवारा में जनपद ट्राफी का आयोजन 27 को

उतई। इतवारी चीला तिहार जनपद ट्राफी 2025 के आयोजन के संबंध में सोमवार ग्राम पंचायत भवन पाऊवारा में बैठक ली गई। जनपद उपाध्यक्ष राकेश हिरवानी के नेतृत्व छत्तीसगढ़ के परम्परा व संस्कृति को बचाए रखने के लिए लगातार कई वर्षों से आयोजन किया जा रहा है। बैठक में जनपद क्षेत्र के पांच गांव के पाऊवारा, बोरीगारका, करगाडीह , कोकड़ी, कोड़िया कि महिलाएं प्रतिभागी होंगे। आयोजन पहले ग्राम पंचायत स्तर में प्रत्येक पंचायत में होगा। जीतने वाले प्रतिभागियों को जनपद ट्राफी में खेलने का अवसर दिया जायेगा। कार्यक्रम महिलाओं के लिए आयोजित किया जाएगा। जिसमें कबड्डी, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, नारियल फेक, फुग्गा फोड़, रस्साकसी, कुर्सी दौड़ व छत्तीसगढ़ी व्यंजन स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा।

अछोरी में खुल रही शराब दुकान के विरोध में धमधा में प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमधा

- नई शराब नीति के अंतर्गत खोली जा रही दुकान का ग्रामीण कर रहे विरोध

किसानों के संगठन द्वारा धमधा बस स्टैंड में 8 जुलाई को सरकार के खिलाफ एक दिवसीय धरना दिया जाएगा। ग्राम अछोली में सरकार द्वारा निविदा जारी की गई है, जिसमें शराब दुकान खोली जा रही है। साथ ही क्षेत्र के किसानों को खाद की आपूर्ति नहीं की जा रही है।

बिजली व्यवस्था को लेकर लगातार किसान परेशान हो रहे हैं। इन समस्याओं के तत्काल निराकरण को लेकर धरना दिया जा रहा है। किसान नेता बाबा टेकसिंह चंदेल इस प्रदर्शन में मौजूद रहेंगे। सरकार ने नई नीति लाई है। अछोली गांव में नई शराब दुकान खोली जा रही है। यह बेहद निराशाजनक और चिंताजनक है। इसे पर तुरंत रोक लगान आवश्यक है। शराब दुकान खोलने के बाद क्षेत्र के कम से कम 20 से 25 गांव के युवा नशे की चपेट में होंगे। आर्थिक बर्बादी बढ़ेगी। अराजकता, गुंडागर्दी, नशाखोरी बढ़ेगी।

इस मामले की शिकायत पूर्व में क्षेत्र के विधायक ईश्वर साहू से शिकायत की जा चुकी है। बावजूद कार्यवाही नहीं होते देख पूरे ग्रामीण इलाके से 20 से 25 गांव से लोग धरना पर बैठने का निर्णय लिया है। शासन के इस प्रकार के तुगलकी फैसले को तत्काल निरस्त करने एवं किसानों को पर्याप्त खाद और बिजली देने की मांग को लेकर धरना किया जाएगा। यह जानकारी किसान बंधु संगठन के सचिव यशवंत चंदेल ने दी।

ग्राम चिंगरी में धूमधाम से मनाया मां शीतला का जुड़वास

अंडा। ग्राम चिंगरी में दैहिक, दैविक एवं भौतिक तापों से गांव की सर्वदा रक्षा करने वाली मां शीतला का जुड़वास मां शीतला जुड़वास उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासी के तत्वावधान में मनाया गया। इस अवसर पर मां शीतला का अभिषेक, नीम पत्तियों के हार, हल्दी का टीका एवं वैदिक पूजन के साथ मां की आराधना की गई। ज्ञात हो कि यह जुड़वास उत्सव कार्यक्रम वर्षभर सोमवार व गुरूवार को साप्ताहिक सेवा करने वाले नवयुवकों द्वारा प्रतिवर्ष धूमधाम से मनाया गया। पूरे गांव में कलश यात्रा, संगीतमय प्रभात फेरी, मंचीय कार्यक्रम, जस सेवा आदि कार्यक्रम से दुग्धाभिषेक, वैदिक पूजन से ही माता का जुड़वास मनाया गया। यजमान गांव के बैगा शालिक राम निर्मलकर थे। यह कार्यक्रम शीतला जुड़वास उत्सव समिति के सदस्य चेतन यादव, महेंद्र पटेल,मनिकांत पटेल, जितेन्द्र निर्मल कर, राजेश्वर देशमुख, बीरू निर्मलकर, नारायण,कुबेर,अमीत निर्मलकर,सुधीर साहू, भोज पटेल, चुम्मन देशमुख , राकेश धीवर सहित समस्त ग्रामवासी व आदि के विशेष सहयोग से सम्पन्न हुआ। चेतन यादव ने सभी सेवकों एवं सहयोगियों का सफल कार्यक्रम के लिए आभार ज्ञापित किया।

6 दिवसीय जगन्नाथ रथयात्रा का पाटन में हुआ समापन

आपसी प्रेम, भक्ति का उदाहरण रही इस बार की रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

इस्कॉन प्रचार केन्द्र महुदा एवं संस्कार वेलफेयर फाउंडेशन महुदा द्वारा निकली गई छह दिन तक चली ऐतिहासिक जगन्नाथ रथ यात्रा का पाटन में सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह यात्रा भारत की सबसे लम्बी रथ यात्राओं में से एक रही, जो लगातार गांव-गांव होती हुई हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। रथयात्रा की शुरूआत भक्तिभाव और उल्लास के साथ ग्राम महुदा से की गई। इस अनूठी पहल के अंतर्गत भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ पर विराजमान कर पूरे क्षेत्र में भ्रमण कराया गया। यात्रा के दौरान जगह-जगह पर भक्तों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो उठा।

सेवा का विशेष संकल्प

छः दिन की रथयात्रा में हमारा यह प्रयास रहा कि किसी भी गांव या इलाके में कोई व्यक्ति भूखा न रहे। यात्रा के दौरान हमने हजारों लोगों को निःशुल्क भोजन प्रसाद वितरित किया। जिससे हर दिन हर गांव में भक्ति और सेवा का माहौल बना रहा। यात्रा का समापन पाटन में धूमधाम के साथ किया गया। जहां हजारों श्रद्धालु उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बने। आयोजकों का कहना है कि यह यात्रा आपसी प्रेम, सौहार्द और भक्ति का अद्भुत उदाहरण बनी रहेगी। आयोजन समिति ने इस अवसर पर सभी सहयोगियों और भक्तों का आभार व्यक्त किया।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने बचत खातों में न्यूनतम शेष राशि न रखने पर लगने वाले शुल्क किए माफ

भिलाई। देश में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रमुख बैंकों में से एक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने ग्राहकों को राहत देते हुए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। बैंक ने 1 जुलाई 2025 से सभी सामान्य बचत खातों (स्टैंडर्ड सेविंग्स अकाउंट्स) में मासिक औसत शेषराशि बरकरार न रखने पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह से माफ कर दिया है। इस पहल के जरिए बैंक ने अपने ग्राहकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है।

इस निर्णय से अब ग्राहकों को अपने बचत खाते में न्यूनतम औसत शेषराशि नहीं बनाए रखने पर कोई भी शुल्क नहीं देना होगा। हालांकि, यह छूट प्रीमियम बचत खाता योजनाओं पर लागू नहीं होगी। सुश्री बीना वाहिद, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने कहा, न्यूनतम बैलेंस शुल्क हटाना हमारे ग्राहकों के प्रति बैंक ऑफ़ बड़ौदा की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसका उद्देश्य सभी के लिए बैंकिंग को और अधिक सुलभ बनाना है। यह कदम ग्राहकों को समावेशी और मूल्य-आधारित बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने की दिशा में हमारे बैंक द्वारा किए जा रहे प्रयासों को और गति प्रदान करेगा।

खबर संक्षेप

कोर्ट व कलेक्ट्रेट के पार्किंग स्थल में कीचड़

दुर्ग। जिला अधिवक्ता संघ दुर्ग का प्रतिनिधि मंडल ने संघ की अध्यक्ष नीता जैन के नेतृत्व में सोमवार को जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ताओं को होने वाली समस्याओं से अवगत कराया गया। संघ की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में बरसात के दिनों में न्यायालय एवं कलेक्ट्रेट परिसर में जगह जगह गढ्ढे में कीचड़ हो जाने से वाहन पार्किंग करने में समस्या हो रही है। उसके साथ ही कीचड़ होने से परिसर में बैठकर कार्य करने वाले अधिवक्ताओं एवं पक्षकारो को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसके शीघ्र निराकरण करने हेतु संघ की ओर से ज्ञापन सौंपा गया, जिस पर कलेक्टर ने शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर संघ के उपाध्यक्ष प्रशांत जोशी, महिला उपाध्यक्ष उमा भारती साहू, सचिव रविशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष अनिल जायसवाल, सह सचिव राकेश कुमार यादव, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा सचिव रविशंकर मानिकपुरी, ग्रन्थालय सचिव बजरंग श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद प्रजापति, रविंदर बाबू, सदस्य नितेश कुमार साहू, दमयंती चंद्राकर सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित थे। यह जानकारी संघ के मीडिया प्रभारी दानिश परवेज ने दी है।

बार एवं रॉड मिल का कीर्तिमान

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की बार एवं रॉड मिल (बीआरएम) ने जून में उत्कृष्ट तकनीकी उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। बीआरएम ने 85.89 प्रतिशत मिल यूटिलाइजेशन प्राप्त कर सर्वोच्च मासिक मिल यूटिलाइजेशन का नया कीर्तिमान भी स्थापित किया। पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 2,64,157 टन उत्पादन कर प्रथम तिमाही के उत्पादन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया गया है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (संकार्य) श्री राकेश कुमार ने बीआरएम टीम को इस उपलब्धि हेतु बधाई दिए।

मरोदा पंप हाउस में भरा पानी, ब्रेकडाउन से जलापूर्ति प्रभावित

से.1 सहित कुछ क्षेत्रों में 8.45 बजे नलों में आया पानी, दिनभर चला रिपेयर का काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के जल प्रबंधन विभाग के मरोदा पंप हाउस में सोमवार को टाप कवर फट जाने से पंप हाउस में पानी भर गया। पंप हाउस में रिपेयर का काम जारी है। इससे मड़ौदा सेक्टर सहित कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति प्रभावित रही। मेंटेनेंस कार्य के चलते मंगलवार को भी कुछ सेक्टरों में जलापूर्ति प्रभावित हो सकती है। बीएसपी ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है।

मड़ौदा सेक्टर के पंप हाउस में सुबह करीब 8.30 बजे 1 पंप का एनआरबी का टॉप कवर

फट गया। इससे हाइ प्रेशर में पानी पंप हाउस में तेजी से भरने लगा। इस पंप हाउस में पेयजल की आपूर्ति के लिए कुल 3 पंप चलते हैं। ब्रेक डाउन के तत्काल बाद शेष 2 पंप को प्रभावित होने से बचाने के लिए बंद कर दिया गया। जल आपूर्ति को सामान्य बनाने के लिए तेजी से कार्य जारी है।मरोदा पंप हाउस से टाउनशिप को पेयजल की आपूर्ति की जाती है। सुबह 8.30 बजे हुए ब्रेक डाउन के पूर्व टाउनशिप के अधिकांश हिस्सों में पेयजल की आपूर्ति लगभग कर दी गई थी। इस ब्रेक डाउन से पेयजल की आपूर्ति आंशिक रुप से प्रभावित हुई है, संयंत्र के उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

ब्रेक डाउन के तत्काल बाद सर्वप्रथम फटे हुए पंप के पानी को रोका गया और फायर ब्रिगेड सहित सभी संबंधित विभागों को सूचना देते हुए ज्यादा क्षति न हो इसे ध्यान में रखते हुए चल रहे अन्य पंपों को भी बंद कर दिया गया। पंप हाउस में इन्हें सुधारने का कार्य तीव्र गति से जारी है और देर शाम तक स्थिति सामान्य होने की संभावना है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए 8 जुलाई को टाउनशिप में नियमित पेयजल सप्लाई आंशिक रूप से प्रभावित हो सकती है। टाउनशिप के रहवासियों से सहयोग की अपील की गई है। पंप हाउस में खराबी आने के चलते कुछ सेक्टरों में रात 8.45 बजे जलापूर्ति की गई। इससे लोगों ने राहत की सांस ली।

इंटक कार्यालय में हुआ कन्वेंशन, हड़ताल को सफल बनाने का निर्णय

सात यूनियनों ने बीएसपी कर्मियों से किया कल ड्यूटी नहीं जाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नौ जुलाई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को भिलाई इस्पात संयंत्र में शत-प्रतिशत सफल बनाने के लिए 7 ट्रेड यूनियनों द्वारा प्लांट के अंदर और बाहर व्यापक तैयारी की जा रही है। इसके तहत इंटक कार्यालय में संयुक्त यूनियन द्वारा इंटक कार्यालय में हुए कन्वेंशन में हड़ताल को सफल बनाने की तैयारी पर चर्चा के साथ कर्मियों से ड्यूटी नहीं जाने की अपील की गई।

सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों ने हड़ताल का निर्णय लिया है। इसके तहत यहां एनजेएस सहित 7 यूनियनों की कन्वेंशन केंद्र सरकार के कर्मियों पर कुठाराघात वाली नितियों का विरोध किया गया । यूनियन नेताओं ने बीएसपी के सभी कर्मचारियों व मजदूरों से नौ जुलाई की हड़ताल में शामिल होने का आह्वान किया। इंटक महासचिव वंश बहादुर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध जारी रहेगा क्योंकि 4 नए लेबर कोड से भविष्य में श्रमिकों की स्थिति गुलामों जैसी हो जाएगी । केंद्र सरकार की नीतियों से भविष्य में हम कर्मचारियों को उनका अधिकार दिलाने के लिए आंदोलन धरना प्रदर्शन एवं हड़ताल भी नहीं कर पाएंगे । इसीलिए हमें एकजुट होकर सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ना है । एचएमएस महासचिव प्रमोद मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से मालिक एवं मजदूर के बीच की खाई और अधिक बढ़ रही है । सरकार सिर्फ निजीकरण करना चाहती है इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा श्रमिक वर्ग को जागरूक करने की जरूरत है। सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष एसपी डे ने कहा कि अलोकतांत्रिक श्रम संहिता को लोकतांत्रिक आवरण में लपेट कर लाया जा रहा है । सरकार यह बताना चाहती है की नया श्रम कानून श्रमिकों के हित में है लेकिन हकीकत यह है कि वह सिर्फ पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए बनाया जा रहा है

एक्टू महासचिव बृजेंद्र तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा श्रमिक वर्ग पर जो हमला किया जा रहा है उससे हम एकताबद्ध होकर ही लड़ सकते हैं ।

केंद्र सरकार के निजीकरण सहित सभी श्रमिक विरोधी कदमों का किया पुरजोर विरोध

बताया- स्थाई नौकरी पर हमला और अभिव्यक्ति पर कुठाराघात

लोईमू महासचिव सुरेंद्र मोहंती ने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा जो फिक्स टर्म नौकरी का कॉन्सेप्ट लाया गया है। यह परमानेंट नौकरी पर हमला है । हमें मजदूर वर्ग में वर्गीय चेतना लाने की जरूरत है । स्टील वर्कर्स यूनियन के महासचिव नंदकिशोर गुप्ता व एटक महासचिव विनोद सोनी, सीटू उपाध्यक्ष डीवीएस रेडी एवं लोईमू अध्यक्ष डीके सोनी व अजय कुमार मार्टिन, शिव शंकर सिंह, रेशम राठौर एवं ज्ञानेंद्र पांडेय, विनय कुमार मिश्रा, सीटू से विजय जांगड़े जगन्नाथ त्रिवेदी, डीडीएस रेड्डी अशोक खरकर, एक्टू से बृजेंद्र तिवारी, श्याम कुमार साहू, अशोक कुमार मिरी, रूपेश कुमार, भुवन साहू लोईमू से सुरेंद्र मोहंती आदि यूनियनों के पदाधिकारी शामिल थे।

निगम का कारनामा : जहां वाटर एटीएम लगाया वहीं कचरा डालने डस्टबिन रख दिया

भिलाई। तस्वीर अशरफी चौक वार्ड 49 शहीद भगत सिंह की है, यहां जिस जगह वाटर एटीएम स्थापित किया गया है, वहीं कचरा डालने के लिए डस्टबिन लगा दिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लोग पहले ही पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसके बाद निगम द्वारा ऐसी लापरवाही बरती जा रही है। इसे लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता जसप्रीत सिंह ने इसकी शिकायत भी की है, लेकिन डस्टबिन को नहीं हटाया गया है।

सांस्कृतिक संपदाओं के संरक्षण पर हुई परिचर्चा

भिलाई। भारतीय सांस्कृतिक निधि (इंटेक) के दुर्ग भिलाई अध्याय द्वारा 'सांस्कृतिक संपदाओं का क्षरण व संरक्षण' विषय पर परिचर्चा का आयोजन दुर्ग जिला स्थाई लोक अदालत की अध्यक्ष सुषमा लकड़ा के मुख्यातिथ्य में भिलाई निवास में किया गया। राष्ट्रीय सांस्कृतिक संपदा संरक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला लखनउ के

वैज्ञानिक डां.संजय प्रसाद गुप्ता ने व्याख्यान मेंशोधपरक पुरातत्त्वीय महत्व की इमारतों, मंदिरों आदि के क्षरण के कारणों और संरक्षण के तरीकों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि सुषमा लकड़ा ने पुरातत्व महत्व की संपदाओं के संरक्षण से संबंधित कानूनों को समझाया 1 संयोजक डॉ. हंसा शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया। साहित्यकार शरद कोकास, परदेसी राम वर्मा, रंगकर्मी अनिता व विभाष उपाध्याय, चित्रकार सुनीता वर्मा व महेश चतुर्वेदी, राजेन्द्र राव, व्यंग्यकार विनोद साव आदि उपस्थित थे। कवि रवि श्रीवास्तव ने आभार प्रदर्शन व शिक्षाविद् डॉ. डीएन शर्मा नेसंचालन किया।

भिलाई-चरोदा निगम में हुआ घटिया काम बह्मनीन और बंधवा तालाब की दीवार ढही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में तालाब सौंदर्यीकरण किया गया। लेकिन पहली बारिश ने निगम की पोल खुलकर रह गई। मिली जानकारी के मुताबिक भिलाई तीन स्थित बमनीन तालाब की दीवार दोबारा ढह गया है। माह भर के भीतर दूसरी बार इस तरह हुआ है। इस बार बगल के बंधवा तालाब की भी दीवार का बड़ा हिस्सा सुबह भरभरा कर गिर गया। जानकारी लगते ही नगर निगम का अमला पहुंचकर मौका मुआयना कर ठेका एजेंसी को खानापूर्ति के लिए नोटिस जारी किया है। बमनीन तालाब में लगभग 91 लाख रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण काम चल रहा है। बंधवा तालाब में भी 92 लाख रुपए की लागत से सौंदर्यीकरण के लिए ठेका एजेंसी को काम दिया गया है। दोनों ही तालाबों का काम अलग अलग ठेका एजेंसी कर रही है। मगर दोनों ही तालाब के निर्माणाधीन दीवारों के ढह जाने से काम विकास कार्यों के गुणवत्ता पर सवाल खडा हो रहा है। भिलाई-चरोदा निगम में लगातार विकास कार्यों में कमीशनखोरी के चलते इस तरह का हाल देखने को मिल रहा है। विकास कार्य करने वाले ठेकेदारों पर निगम के अधिकारियों का सांठगांठ होने से घटिया निर्माण कार्य किए जा रहें है।

- तालाब सौंदर्यीकरण में कमीशनखोरी शिकायत के बाद कार्य एजेंसी को नोटिस

21 दिन पहले भी बह्मनीन तालाब की ढही दीवार

16 जून को बह्मनीन तालाब के नवनिर्मित एक तरफ की दीवार बारिश के चलते भरभरा कर गिरा था। इससे नगर निगम की किरकीरी हुई थी। अब बीती रात फिर एक बार बह्मनीन तालाब की ही पुरानी गिरी दीवार के आगे का हिस्सा ढह गई। सोमवार की सुबह बगल के बंधवा तालाब की दीवार का भी बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया। नगर निगम के उप अभियंता मुकेश रात्रे के मुताबिक ठेका एजेंसी को नोटिस जारी कर दिया गया है।

बीएसपीए, एससी, एसटी एम्पलाइज एसोसिएशन की बैठक में सदस्यता बढ़ाने दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

संगठन के कार्यालय बाबासाहेब आंबेडकर प्रेरणा स्थल सेक्टर 6 में करीब दो साल बाद बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष कोमल प्रसाद ने की। बैठक में एसोसिएशन की सदस्यता बढ़ाने जोर दिया गया। सभी पदाधिकारियों का कहना था कि सभी विभागों में सदस्यता अभियान तेज की जाए। इसके लिए विभागीय कमेटियों का गठन किया जाए। बैठक में अधिकारियों की ग्रेडिंग को लेकर के जो शिकायतें एसोसिएशन को प्राप्त हुई हैं, उस पर भी चर्चा की गई। इससे प्रबंधन को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। इसी तरह सेक्टर 6 में जैतखाम की स्थापना और सेक्टर 5 में बाबासाहेब अंबेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय का निर्माण एवं शहीद वीर नारायण जयंती स्टेडियम के समक्ष शहीद वीर नारायण की आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापित करने को लेकर सदस्यों ने नाराजगी जताई। कोमल प्रसाद ने कहा कि लंबे संघर्षों के बाद आज हम अपने बाबासाहेब आंबेडकर प्रेरणा स्थल के कार्यालय मे बैठक कर रहे हैं। यह हमारे लिए खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि सेल चेयरमेन और राष्ट्रीय अनुजाति आयोग नई दिल्ली के साथ हमारी जो बैठक होने वाली है, उसमें सभी मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। बैठक में चेतन लाल राना, विजय कुमार रात्रे, वेदप्रकाश सूर्यवंशी, कुमार भारद्वाज, अनिल कुमार खेलवार, परमेश्वर कुर्रे, उत्तम मंडावी, संत ज्ञानेश्वर, कालिदास बघेल, कुंजलाल ठाकुर, यशवंत नेताम, एमएल राय उपस्थित थे।

- अधिकारियों की ग्रेडिंग को लेकर प्राप्त शिकायतों पर की गई चर्चा

कर्मचारी का घर बना डबरी, हो रही दिक्कत, सीटू ने की राहत की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बारिश के मौसम के शुरु होते ही टाउनशिप में बीएसपीकर्मियों के पुराने आवासों में जलभराव की समस्या शुरु हो गई है। सेक्टर 4 में एक मकान में पानी घुसने से परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सीटू ने नगर सेवा विभाग की लेटलतीफी पर नाराजगी जाहिर करते हुए समस्या के निदान की मांग की है। यूनियन पदाधिकारियों ने नगर प्रशासन सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक को बताया था कि सेक्टर 4 सड़क 27 क्वॉटर 4,A में पानी घर में घुस रहा है पूरा परिवार पानी निकालने की कवायद में जुट जाता है। सेक्टर 4 सिविल विभाग द्वारा सर्वे भी करवा दिया गया था लेकिन इसके बावजूद आज तक कोई मेंटेनेंस नहीं हुआ और परिवार को राहत नहीं मिली है। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव किया जाता है। सीटू पदाधिकारियों ने कहा कि बारिश में जर्जर आवासों में रहने को मजबूर हैं।सीपेज की समस्या से अनेक रहवासी परेशान हैं। संयंत्र में कार्यरत कर्मचारी मेहनत कर कम्पनी को आगामी लक्ष्य को हासिल करने पूरा ताकत लगा रहा है लेकिन उसका परिवार जिन आवासों में निवास कर रहा है उसके मरम्मत कार्य में तीन महीने का विलंब अनुचित है।

- परिवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

ठेका मजदूर यूनियन इंटक की बैठक में निर्णय

देशव्यापी हड़ताल में अब ठेका मजदूर भी होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल में बीएसपी के ठेका मजदूरों को भी शामिल किए जाने की तैयारी में ठेका मजदूर यूनियनें जुट गई हैं। तैयारी को लेकर सोमवार को स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक की कार्यकारिणी की बैठक में सभी मजदूरों को हड़ताल में शामिल होने के निर्णय की जानकारी देते हुए हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया गया। अध्यक्ष संजय साहू ने बताया केंद्र सरकार द्वारा जो नया श्रम कानून लाया जा रहा है जिसमें यूनियन और श्रमिकों के मूलभूत अधिकारों से वंचित किया जा रहा है । बीएसपी के उत्पादन एवं रखरखाव और लाभार्जन में ठेका श्रमिकों का विशेष योगदान के बाद भी प्रबंधन श्रमिकों के मांगों को नजर अंदाज कर रहा है। जिससे भिलाई इस्पात संयंत्र के ठेका श्रमिकों में आक्रोश है । बैठक में सीपी वर्मा, दीनानाथ सिंह सार्वा, आर दिनेश, मनोहर लाल, सुरेश, श्याम कुंवर, गुरुदेव साहू, जसबीर सिंह, रिखी राम साहू, संतोष ठाकुर, सुरेश दास टंडन, कान्हा, देवेंद्र कुमार, दामन लाल, दौऊलाल, यशवंतयादव मनहरण नारायण नरेंद्र एवं अन्य कार्यकारिणी के सदस्य उपस्थित थे।

यह हैं प्रमुख मांगें

केंद्र सरकार के नए श्रम कानून को रद्द करने के साथ ठेका श्रमिकों का समय 8 घंटा ही रखा श्रमिकों को बीएसपी के एस-1 का वेतन दिया जाए या 26 हजार रुपया वेतन प्रतिमाह निर्धारण हो, केंद्र सरकार का निर्धारित न्यूनतम वेतन को बीएसपी में लागू किया जाए।, व 5% आवास भत्ता दें या बीएसपी के खाली आवास को आवंटित किया जाए। संयंत्र के अंदर आने जाने के लिए दो गेटों से आवाजाही और अंदर मोटरसाइकिल जाने की अनुमति प्रदान की जाए। 10 लाख का दुर्घटना बीमा किया जाए और ठेका प्रारंभ के एक माह पूर्व मेडिकल किया जाए। कैंटीन, सायकल, डस्ट और नाइट एलाउंस दें।

02

संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव में बच्चों ने दी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

लाइव इवेंट

डॉ. कश्यप हुए सेवानिवृत्त प्राध्यापकों ने किया सम्मानित

दुर्ग। साइंस कॉलेज में पदस्थ रहे इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) के अध्ययन केन्द्र के पूर्व समन्वयक डॉ. अनिल कश्यप सेवानिवृत्त हुए। उनके सेवानिवृत्ति पर कॉलेज के प्राध्यापकों ने सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, वर्तमान समन्वयक डॉ. अभिनेष सुराना, सहायक समन्वयक डॉ. जीएस ठाकुर, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. एके खान, डॉ. अनुपमा कश्यप, संजय यादव, राधे लाल यादव सहित अन्य मौजूद थे। डॉ. कश्यप को स्मृति चिन्ह, श्रीफल एवं शाल भेंटकर सम्मानित किया गयया। नए समन्वयक डॉ. अमिनेष सुराना का स्वागत किया गया। सहायक समन्वयक डॉ. जीएस ठाकुर ने बताया कि डॉ. कश्यप 2012 से लेकर 25 फरवरी 2025 तक मुख्य समन्वयक रहे, वहीं डॉ. अभिनेष सुराना ने 6 मई 2025 को कार्यभार ग्रहण किया। डॉ. सुराना ने कहा कि वे इग्नू अध्ययन केन्द्र को उंचाई पर ले जाने का हर संभव प्रयास करेंगे। कहा कि इग्नू में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप ही सभी गतिविधियां संचालित होती है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कई नये प्रयोगकर कार्यप्रणाली को सरल बनाने का प्रयास किया। डॉ. कश्यप ने बताया कि लगभग 40 वर्षों से अधिक अवधि से इग्नू अध्ययन केन्द्र महाविद्यालय में संचालित है। डॉ. कश्यप ने रचनात्मक सहयोग के लिए वर्तमान एवं सभी पूर्व प्राचार्यों को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में डॉ. अलका मिश्रा, सत्येन्द्र सोनी, टीकम यादव, अशोक यादव, हेमंत निर्मलकर, चिंताराम यादव, विजय यादव आदि उपस्थित थे।

सिटी इवेंट

महिलाओं की शिक्षा और रोजगार को लेकर समाज चलाएगा अभियान

दुर्ग। कृष्णा मंदिर अहीर समाज रायपुरा ट्रस्ट के अध्यक्ष करुणा यादव और गोपिका दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित डोंगरगढ़ की अध्यक्ष भाग्यश्री यादव ने राजनांदगांव महापौर मधुसूदन की पत्नी करूणा यादव से मुलाकात की। उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर यादव महिलाओं के आर्थिक, शैक्षणिक व स्वरोजगार के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। यादव समाज की महिलाएं इस दौरान मौजूद थी। सभी ने महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और उत्थान के लिए काम करने अभियान चलाने का निर्णय लिया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने महिला शाखा यादव प्रमुखों ने राज्य सरकार के विभिन्न योजनाओं को घर-घर पहुंचाने की भी बात कही। इसके लिए महिलाओं को एकजुट किया जाएगा। हर जिले में नियमित रूप से मासिक बैठक आयोजित की जाएगी। दुर्ग महिला प्रकोष्ठ का प्रतिनिधि मंडल इस दौरान मौजूद थे।

सिटी इवेंट

पवन बने कैट दुर्ग जिला चेयरमैन व्यापारियों के साथ की बैठक

दुर्ग। व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की दुर्ग जिला इकाई पवन बड़जात्या को चेयरमैन बनाया गया है। यह

नियुक्ति कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं भारत सरकार के राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश का य ि का री चेयरमैन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, महामंत्री सुरिंदर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल की संयुक्त अनुशंसा एवं समर्थन से संपन्न हुई। परमानंद जैन ने बैटक में पवन बड़जात्या के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर अनुमोदित किया। बड़जात्या दुर्ग थोक कपड़ा मार्केट के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में हठरी बाजार व्यापारी संघ के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ, लघु उद्योग भारती, छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स अल-अलग पदों में सेवा दे चुके हैं। उनकी नियुक्ति पर प्रकाश गोलछा, प्रहलाद कश्यप, मोहम्मद अली हिरानी, विनय कश्यप, राकेश सकलेचा, आशीष खंडेलवाल, श्रेयांश नाहटा, विजय जैन, राजेश छाबड़ा, राकेश काला, संजय बोहरा सहित अन्य ने बधाई दी है।

● बाजारों में सब्जियां महंगी, खाने की थाली में पड़ रहा असर, महिलाओं ने दी प्रतिक्रिया

सब्जियों के बढ़े दाम से टमाटर गुस्से से लाल, महिलाएं स्मार्ट कुकिंग कर चना, बड़ी और राजमा बनाकर स्वाद का लगा रहीं तड़का

बारिश के मौसम में सभी जगह में सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। सब्जियों की कीमतें बढ़ने से घर का बजट गड़बड़ा गया है, खासकर महिलाओं का। बारिश की शुरुआत से ही सब्जियों के बढ़े दाम बढ़ने से टमाटर गुस्से से लाल होकर 40 से 40 रु किलों बिक रहा है। वहीं महिलाएं स्मार्ट मैनेजमेंट और कुकिंग कर चना, बड़ी और राजमा बनाकर खाने में स्वाद का तड़का लगा रही है। लोग सीमित मात्रा में सब्जी खरीद रहे हैं। जिन सब्जियों के दाम कम है उन्ही सब्जियों को खरीद रहे हैं।

भिलाई। सब्जियों की बढ़ी कीमत का असर सबसे ज्यादा घर की रसोई पर पड़ा है जहां महिलाओं को खाना बनाने के लिए मंहगी हो रही सब्जियों के ऑप्शन खोजने पड़ रहे है। वहीं घरेलू महिलाएं स्मार्ट कुकिंग करते हुए हफ्ते में 3 से 4 दिन काबुली चने, राजमा, बड़ी और बेसन की सब्जी बनाकर खाने में स्वाद ला रही है। बारिश के मौसम में हर साल सब्जियों के रेट बढ़ने को लेकर हरिभूमि ने ट्विनसिटी की महिलाओं से बातचीत कर प्रतिक्रिया जानी।

आवक कम इसलिए हुए महंगे- व्यापारी

सब्जी विक्रेता उमेश साव ने बताया कि वर्तमान में लोकल से सब्जियों का आवक कम हो गई है। अधिकांश सब्जियां दूसरे राज्य महाराष्ट्र, गुजरात व मध्यप्रदेश से आ रही है। टमाटर गुजरात व मध्य प्रदेश से आ रही है। इसकी वजह से अचानक दाम में बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में अधिकांश सब्जियां 60 से 70 रुपए किलो में बिक रही है। चूंकि बारिश का मौसम है, सब्जियों के सप्लाई पर असर पड़ा है। मार्केट में सब्जी काम आ रही है और डिमांड ज्यादा है इसलिए सब्जी के भाव बढ़े हुए हैं।

सब्जियां महंगी लेकिन चने और बड़ी सब्जी से लाएंगे स्वाद- वंदना

रिसाली निवासी वंदना सोनी का कहना है कि कभी-कभी मौसम में बदलाव के कारण सब्जियों की पैदावार कम हो जाती है, जिससे कीमतें बढ़ जाती हैं। पहले 100 में सब्जी खरीद के जाते थे तो अब 200 में सब्जी भी कम पड़ रही है। लेकिन हम महिलाएं बाजार को देखते हुए स्मार्ट कुकिंग कर रहे है जिसमें हम हफ्ते में तीन से चार दिन काबुली चना, बड़ी, राजमा, कोचई पत्ता, बेसन से सभी की सब्जी बनाकर खाने मे स्वाद लाने की कोशिश करते है ताकि सेहत के साथ साथ घर वालों को स्वाद भी मेंटेन रहे।

वेरियेशन के साथ सेहत भी जरुरी- लीना

सेक्टर 6 निवासी लीना नायक ने बताया कि हमें घर चलाने और परिवार को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मुश्किल हो रही है। इतना ही नहीं सब्जियों की क्वांटिटी भी कम ले रहे हैं क्योंकि महंगाई बहुत ज्यादा है। फिर भी सेहत के साथ खिलवाड़ करना मंहगा पड़ सकता है इसलिए सब्जी के विकल्प खोजकर वेरियेशन के साथ खाने में तड़का लगा रहे है।

रसोई का बजट गड़बड़ाया- चैती

महंगाई की मार से अब सब्जियों का स्वाद भी बिगड़ने लगा है। सब्जियों की बढ़ती कीमतों से रसोई का बजट गड़बड़ा रहा है। पिछले तीन चार दिनों में टमाटर की कीमत दोगुनी हो गई है। 10 रुपए किलो बिकने वाली टमाटर अब 40 से से 50 रुपए किलो में बिक रही है। वहीं अन्य सब्जियों के दाम में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

सब्जी भाव प्रति किलो

शिमला मिर्ची	-100 रु
करेला -	70 रुपये
भिंडी -	60 रुपये
परवल -	60 से 65 रुपये
कटहल -	50 रुपये
गोभी -	60 रुपए
बरबट्टी -	40
डेंस -	80 रुपए
मिर्च -	80 से 100 रुपए
खीरा -	50 रुपए

डेढ़ गुना रेट बढ़ने से आम लोग परेशान

सब्जियों के रेट बढ़ने से आम लोगों का बुरा हाल है। सबसे दयनीय स्थिति मजदूर तबगे आदि गरीबों की है। मिडिल क्लास की भी मुश्किल बढ़ी है। पहले लोग दाल रोटी खाओ प्रभु के गुण गाओ की तरह दाल से ही काम चला रहे थे। लेकिन गरीबों की दाल भी पौने दौ सौ से दो सौ रुपए किलो होने थाली से दाल गायब होने या पतली दाल के बाद अब वे सब्जी खाने के लिए भी तरस रहे हैं। नौकरीपेशा वालों के यहां भी जो दो सब्जियां खाते थे अब उनकी थाली में एक ही कटोरी परोसी जा रही है। पावर हाउस सब्जी मार्केट, सुपेला मंडी व लक्ष्मीनगर तथा सेक्टर 6 सी मार्केट सब्जी लेने आए कई लोगों ने बताया कि पहले किलो दो किलो सब्जी खरीदते थे अब आधा किलो ही खरीद रहे हैं।

बाजारों में बढ़े हुए दाम

ट्विनसिटी के पावर हाउस, सुपेला, लक्ष्मी मार्केट, रुआबांधा, रिसाली, दुर्ग सब्जी मार्केट सहित सभी जगहों पर महंगे भाव से सब्जियां बिक रहे हैं। लगातार बढ़ रही सब्जियों की कीमत से रसोई में मंहगाई की तड़का लग रहा है। सब्जी खरीदने आए लोगों ने बताया कि बारिश की वजह से सब्जियों की आवक कम होने से मंडियों में भी सब्जी के रेट बढ़े हुए हैं। इसलिए चिल्लर व्यवसायी भी सब्जियों का दाम बढ़ाकर बेच रहे है।

डिजिटल फ्रॉड और साइबर क्राइम से बचने रहें अवेयर, शिकायत 1930 पर करें

दुर्ग। यंग इंडियन्स दुर्ग चैप्टर द्वारा लर्निंग वर्टिकल अंतर्गत वाईआई सदस्यों के अभिभावकों के लिए व्हाट्सएप सुरक्षा और डिजिटल धोखाधड़ी पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग रेंज के आईजी रामगोपाल गर्ग थे। उन्होंने साइबर अपराधों से जुड़े कई वास्तविक उदाहरण साझा किए। इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए सजगता, जागरूकता और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर समाजसेवी संजय रुंगटा,

सुधीर अग्रवाल, संकल्प राय विशेष अतिथि के रुप में मौजूद रहे। कार्यशाला का संचालन सोशल पाठशाला मुंबई संस्थापक महीमा भालोटिया ने किया। उन्होंने रोल-प्ले, व्हाट्सएप सुरक्षा पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला और सूचनात्मक वीडियो के माध्यम से प्रतिभागियों को कूरियर फ्रॉड, फिशिंग स्कैम, यूपीआई धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट जैसे घोटालों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने संचार साथी पोर्टल और 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर का उपयोग करने की सिफारिश की। कार्यक्रम के दौरान रनथॉन पॉवरड बाई महावीर ग्रुप नामक शहरव्यापी रनिंग इवेंट का भी शुभारंभ किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का संचालन सुरज आहूजा ने किया। कार्यक्रम में वाईआई दुर्ग के चेयरपर्सन गौरव अग्रवाल, लर्निंग चेयर सुरज सोनी के अलावा अन्य पदाधिकारी और 70 से अधिक प्रतिभागी उत्साह के साथ शामिल हुए।

कबड्डी खिलाड़ियों ने रोपे पौधे, सहेजने का संकल्प

भिलाई। उदय मंडल द्वारा बाल मंदिर कबड्डी ग्राउंड में वृक्षारोपण किया गया। इसमें कबड्डी के सीनियर खिलाड़ियों नेग्राउंड में वृक्षारोपण किया।

ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में शिवाजी नगर जोन-4 के आयुक्त अमरनाथ दुबे के साथ मिलकर कबड्डी खिलाड़ियों ने 21 वृक्षारोपण किया। अमरनाथ दुबे ने कहा कि खुर्सीपार अब काफी बदल चुका है। यहां के लोग जागरूक हो चुके हैं। खिलाड़ी पर्यावरण की ओर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने वृक्षों को लगाने से काम नहीं चलेगा।

इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमियों को सम्मानित किया गया। उदय मंडल ने लगाए गए वृक्षों को सहेजने का संकल्प लिया। इस अवसर पर के गोपाल, पुरुषोत्तम, गणेश, त्रिनाथ, जगदीश्वर, रोहन, गौतम, नागा, मोहन, राहुल, आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष जसप्रीत सिंह उपस्थित थे।

राज्य सीनियर एवं महिला फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप का हुआ समापन

शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग के यशद और महिला वर्ग में इशिका, काशवी, हिमानी का राष्ट्रीय स्पर्धा में हुआ चयन

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान में खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन और जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य सीनियर एवं महिला फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप 2025 का जैन भवन, सेक्टर-6 में समापन हुआ। जिसमें राज्य सीनियर एवं महिला फिडे रेटेड शतरंज चैंपियनशिप में दुर्ग के यशद बांबेश्वर एवं महिला वर्ग में रायपुर की प्रतिष्ठा अहिरवार विजेता बनी। साथ ही सीनियर वर्ग में यशद, आलोक, गगन, स्पर्श व महिला वर्ग में प्रतिष्ठा, इशिका, काशवी, हिमानी राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धा के लिए हुए चयनित हुए।

प्रतियोगिता में 241 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

प्रतियोगिता में कुल 241 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें 184 पुरुष एवं 57 महिला प्रतिभागी शामिल थे। इनमें से 96 खिलाड़ी फिडे रेटेड थे। राज्य के 20 जिलों से शतरंज खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लिया।प्रतियोगिता 9 राउंड में सम्पन्न हुई। सांसद विजय बघेल ने शतरंज को राजनीति के समान बताते हुए कहा कि शतरंज में जहां खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंदी को मात देने के लिए दिमागी जोर आजमाईश करते हैं वैसे ही हम राजनीति में जोर आजमाईश करते हैं उन्होंने मानसिक और शारीरिक संतुलन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।कैलाश जैन बरमेचा और मुकेश जैन ने आयोजन के लिए प्रदेश शतरंज संघ एवं जिला शतरंज संघ दुर्ग के पदाधिकारियों को बधाई दी। सीनियर वर्ग में पांचवें स्थान पर प्रियांश साहू, छठवें राहुल शर्मा, सातवें अंशुल उप्पल, आठवें यशस्व अनिल कानहोलकर, नौवें दीपक राजपूत और दसवें स्थान पर अभिनव पांडे रहे। महिला वर्ग में पांचवें स्थान पर सुकृति शर्मा, छठवें राशि वारूदकर, सातवें स्थान परिधि लिलहरे और आठवें स्थान पर जसमन कौर रही। इन्हें भी नगद राशि व मोमेंटो प्रदान किया गया।इसके अलावा केटेगरी पुरस्कार एवं बेस्ट सरगुजा, बेस्ट बस्तर, बेस्ट वेटरन खिलाड़ी को भी नगद राशि प्रदान की गई। ।आयोजन में चित्रांश अग्रवाल, अनिल शर्मा, इम्तियाज मेमन, दिनेश जैन उपस्थित थे।

यह रहे विजेता, राष्ट्रीय स्तर पर करेंगे प्रतिनिधित्व

सीनियर वर्ग में दुर्ग के यशद बांबेश्वर ने 8 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया और छत्तीसगढ़ सीनियर स्टेट चैंपियन बने। उन्हें 15 हजार रुपए नगद विजेता ट्रॉफी प्रदान किया गया। रायपुर के आलोक कनोजे ने द्वितीय रहे और उन्हें 11 हजार रुपए, रायगढ़ के गगन साहू तीसरे स्थान पर 9 हजार, राजनांदगांव के स्पर्श खंडेलवाल चौथे स्थान पर रहे और उन्हें 7 हजार, महिला वर्ग में रायपुर की प्रतिष्ठा अहिरवार ने विजेता का खिताब हासिल किया। उन्हें 11हजार रुपए नगद, द्वितीय दुर्ग की इशिका मड़के को 7 हजार, तृतीय दुर्ग की काशवी जैन को 5 हजार, चौथे स्थान पर दुर्ग की हिमानी देवांगन 4 हजार प्रदान की गई। ये सभी चयनित खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल, कलेक्टर अभिजीत सिंह, मनीष पारख, मुकेश जैन और समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा प्रमुख रुप से उपस्थित थे। इस अवसर पर संघ के विनोद राठी, हेमंत खूंटे, विक्रम अवॉर्डी किरण अग्रवाल, प्रदीप दास, विकास शर्मा, सुबोध कुमार सिंह, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े एवं स्पर्धा के मुख्य मुख्य निर्णायक अनीस अंसारी और जिला शतरंज संघ दुर्ग अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, तुलसी सोनी आदि मौजूद थे।

सिटी इवेंट

शिवधाम मंदिर से. 7 में 28 को श्रावण महोत्सव, महिलाएं तैयारी में जुटी

भिलाई। हर साल की तरह इस वर्ष भी सेक्टर-7 में श्रावण महोत्सव 28 जुलाई सावन के तीसरे सोमवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। शिवधाम सेवा समिति की महिलाएं इसकी तैयारी में जुट गई है। इस संबंध में रविवार को सेक्टर 7 पार्षद कार्यालय में एमआईसी मेंबर लक्ष्मीपति राजू के मौजूदगी में बैठक हुई। आयोजन का मुख्य आकर्षण का केंद्र गंगा आरती की तर्ज पर 1501 थाल से शिवधाम में महिलाओं द्वारा एक ड्रेस कोड में महाआरती रहेगा। 28 जुलाई को सुबह साढ़े 7 बजे विधि-विधान से पूजा-पाठ कर महारुद्राभिषेक कर भोलेनाथ का महाकाल उज्जैन के तर्ज पर विशेष श्रृंगार किया जाएगा। दोपहर 12 बजे लगभग 25 हजार भक्तों के लिए महाभंडारे का आयोजन किया जाएगा इसके साथ ही भजन कीर्तन चलता रहेगा। शाम 6 बजे 550 सौ महिलाओं द्वारा बनारस गंगा आरती की तर्ज पर 1501 थाल से महाआरती की जाएगी। रायपुर के प्रसिद्ध भजन गायक लल्लू महाराज द्वारा भक्ति भजन संगीत की आकर्षक झांकियों के साथ प्रस्तुति दी जाएगी। 18 जुलाई को इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए समिति ने रुद्राभिषेक, भजन संध्या, महाभंडारा एवं गंगा आरती की रूपरेखा की गई है।

सिटी लाइव

केरला समाजम का चुनाव 20 को, रघु चुनाव अधिकारी नियुक्त

भिलाई। केरला समाजम की दुर्ग-भिलाई की आम सभा सेक्टर 5 के कार्यालय में 20 जुलाई को शाम 4 बजे से शुरू होगी। वर्ष 25-27 के चुनाव में समाज की वार्षिक आय-व्यय के अलावा समाज की अन्य गतिविधियों की जानकारी भी दी जाएगी। चुनाव में भाग लेने हेतु संबंधित फार्म का वितरण भी किया जाएगा। इसे लेकर चुनाव अधिकारी एमएस रघु कुमार को बनाया गया है। समाज के वर्तमान अध्यक्ष बीके मोहम्मद ने सभी सदस्यों से इस चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भागीदारी देने की अपील की है। चुनाव संबंधित प्रक्रिया 8 जुलाई से प्रारंभ होगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी पी. मोहन ने दी।

सिटी इवेंट

पौधों को सुरक्षित करने 100 से ज्यादा ट्री गार्ड लगाए गए

भिलाई। सर्वधर्म सेवा संस्था का 21वां स्थापना दिवस रुआबंधा सेक्टर स्थित नारी जागरण केंद्र में मनाया गया। संस्था के संरक्षक वीरेंद्र सतपथी और अध्यक्ष प्रतीक भोई ने बताया कि इस अवसर पर पौधे रोपे गए। पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम के तहत संस्था द्वारा विगत तीन दिनों में रुआबांधा नारी जागरण केंद्र, एचएससीएल और एनएसपीसीएल कॉलोनी में 100 से ज्यादा पौधों में ट्री गार्ड लगाकर सुरक्षित किया गया। 2000 से ज्यादा बीज बमों का छिड़काव किया गया। स्थापना दिवस के दिन वटवृक्ष और पीपल के पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांधकर संस्था के सदस्यों ने पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पर्यावरण अधिकारी अनिता सावंत, शीला नारखेड़े, रश्मि सिंह प्रमुख रूप से मौजूद थे। संस्था के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष संस्था ने एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत देश और राज्य के सभी जागरूक नागरिकों से अनुरोध किया गया है।

स्पोर्ट्स इवेंट

दुर्ग में होगी राज्य स्तरीय कुश्ती बैठक में लिया गया निर्णय

दुर्ग। जिला कुश्ती संघ की आवश्यक बैठक महात्मा गांधी स्कूल प्रांगण में हुई। बैठक में राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया। सर्व सम्मति से प्रस्ताव परित किया गया। बैठक में संघ पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष शिव सागर सिंग, उपाध्यक्ष ऋषि कांत तिवारी, सचिव नागेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष ललित साहू चुने गए। नियुक्ति के बाद तय किया गया कि जल्द ही एक और बैठक बुलाई जाए, जिसमें राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को लेकर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक के तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी।

लगेगा धर्म ज्ञान का ठाठ : साध्वी मंडल के सानिध्य में आयोजित की जाएगी धर्मसभा

पद विहार कर साध्वीं पहुंचीं रतन भवन दुर्ग, 10 से चातुर्मास, स्वागत में गाए गीत, नाटक के जरिए सोशल मीडिया से दूर रहने दी नसीहत

दुर्ग। जैन साध्वी प्रियदर्शना, प्रियदा अपनी साध्वी मंडली के साथ पदविहार कर दुर्ग पहुंची। वे 10 जुलाई से शुरू हो रहे चातुर्मास में जैन तीर्थंकरों के उपदेशों से जैन समाज के लोगों को अवगत कराएंगी। जैन साध्वी सुबह रेलवे स्टेशन रोड स्थित डालचंद सुराना के निवास से दोपहर 1:30 बजे श्रावक-श्राविकाओं की विशेष उपस्थिति में जय आनंद मधुकर रतन भवन बांधा तालाब के लिए रवाना हुई। मंगल प्रवेश सुबह 8 बजे होने वाला था, लेकिन बारिश के कारण समय में परिवर्तन किया गया। साध्वी मंडल के सानिध्य एवं सम्मान में श्रमण संघ महिला मंडल श्रमण संघ बालिका मंडल और आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों ने सुराना निवास में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। श्रमण संध महिला मंडल ने स्वागत अभिनंदन गीत गाए। रोचक नाटिका के माध्यम से समाज में फैली मोबाइल पर व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम से दूर रहने की नसीहत दी गई। इसे उपस्थित जनसमुदाय ने बेहद सराहा। धर्म सभा को समन्वय साधिका श्री, प्रिय दर्शना श्री, विचक्षणा श्री, सुप्रज्ञपति श्री ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह करमा चार माह आत्म जागृति का शुभ अवसर हमें मिला है। इसे धर्म ध्यान से जुड़कर त्याग तपस्या में अपना जीवन समर्पित करते हुए इन चार माह में अधिक से अधिक धर्म क्रिया करते हुए अपना मानव जीवन सफल बनाना है।

आत्मा के कल्याण के लिए महापर्व है चातुर्मास : साध्वी लब्धियशा

श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ नगपुरा में देशभर से आए श्रद्धालुओं की विशाल उपस्थिति में साध्वी लक्ष्ययशा श्री, साध्वी लब्धियशा श्री, आज्ञायशा श्री सहित लगभग 200 आराधकों का विधिवत चातुर्मास प्रवेश हुआ। सुबह 5 बजे महाप्रभाविक भक्तामर स्तव, सामूहिक चैत्यवंदन, तीर्थपति की 108 वासक्षेप पूजा, श्री वर्धमान शक्रस्तव स्तोत्र के साथ महाभिषेक पूजा अर्चना के बाद प्रवेशोत्सव का वरघोड़ा प्रारम्भ हुआ। गौतम-लब्धि भक्ति मंडप से परमात्मा के रथ, बग्गी, बैड, अश्वदल, वाद्ययंत्र, अनेक मंगल द्रव्य, अष्टमंगल, घोषदल के साथ प्रवेश जुलूस में सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित रहे। तीर्थ प्रवेशद्वार पर ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष गजराज पगारिया, मैनेजिंग ट्रस्टी पुखराज दुगड़ सहित सभी ट्रस्टीयों ने पूज्य गुरु भगवतों एवं चातुर्मास आराधकों का गुहुली कर स्वागत किया। परमात्मा के दर्शन के बाद हीरसूरिजी प्रवचन मंडप में धर्मसभा आयोजित हुई। गुरू भगवंतों को वंदन करते हुए जगद् गुरु हीर सूरीश्वरजी अहिंसा संगठन हैद्राबाद ने गुरुपूजा का लाभ लिया। विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वी लब्धियशाश्री ने कहा कि चातुर्मास चतुर लोगों के मास है। चातुर्मास के इन चार महीनों में चतुर लोग आत्म कल्याण का पुरुषार्थ कर लेते हैं, जो पदार्थ में नहीं बल्कि परमात्मा में अनुरक्त होते हैं, वे चतुर कहलाते हैं।

चातुर्मास राग से विराग में आने का महापर्व

चातुर्मास पर से स्व में, ममता से समता में, राग से विराग में आने का महापर्व है। आत्मा में वास का अवसर ही चातुर्मास होता है। बाहर से छूटने पर ही भीतर से जुड़ा जा सकता है। चातुर्मास प्रवेश का यह अवसर हम सभी के लिए आत्मा के शुद्ध स्वरूप में प्रवेश का अवसर बनना चाहिए। इस चातुर्मास का नाम श्री उवसग्गहरं उत्सव चातुर्मास रखा गया है, क्योंकि महाप्रभावशाली श्री उवसग्गहरं पार्श्व प्रभु की छत्रछाया में रहकर साधना करना ही सबसे बड़ा उत्सव है। इस चातुर्मास के भव्य आयोजन मे देशभर के 44 से अधिक पुण्यशाली परिवारों को लाभार्थी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

अन्य राज्यों से भी समाज के लोग पहुंचे नगपुरा

इस आयोजन में शामिल होने बड़ी संख्या में जैन भक्त पहुंचे। समाज के लोगों ने कहा कि श्री उवसग्गहरं पार्श्व तीर्थ के प्रतिष्ठाचार्य गच्छाधिपति गुरुदेव राजयश सूरीश्वरजी एवं प्रवर्तिनी गुरुवर्या वाचंयमाश्रीजी बेन की आज्ञा एवं आशीर्वाद से ही यह चातुर्मास मंगल कल्याण की साधना द्वारा आत्मशुद्धि के लक्ष्य को साकार करेगा। चातुर्मास प्रवेश पर हैदराबाद, नागपुर, मुंबई, ,पूना,वर्धा,इंदौर, कर्नूल, अहमदाबाद, भरूच, वडोदरा, सूरत, बैंगलोर, सुरेंद्रनगर, लखनऊ, कलकत्ता के सैकड़ों गुरु भक्त रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, धमतरी, जगदलपुर, बालोद, खैरागढ़, सहित अन्य क्षेत्रों से यहां पहुंचे।

सुराना निवास से विहार यात्रा शुरू

कार्यक्रम का संचालन वर्धमान स्थानकवासी श्रावक श्रवण संघ के मंत्री राकेश संचेती ने किया। आयोजित धर्म सभा को संघ के अध्यक्ष धर्मचंद लोढ़ा, सुमित जैन, पदम छाजेड़ रचिता श्रीश्रीमाल ने सभा को संबोधित किया। दोपहर 1:30 बजे सुराना निवास से विहार यात्रा प्रारंभ हुई, जो स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, भाजपा कार्यालय, शनिचरी बाजार होते हुए जय आनंद मधुकर रतन भवन पहुंची। जहां साध्वी समुदाय ने चातुर्मास करने की श्रावक श्रमिकों से आज्ञा लेकर जय आनंद मधुकर रतन भवन बांध तालाब में प्रवेश किया। 10 जुलाई से चातुर्मास प्रारंभ होना है।

सराहनीय पहल

सामाजिक कार्यों के अंतर्गत सरकारी स्कूल में कराया 14 कमरों का निर्माण

भिलाई। भिलाई राउंड टेबल ने हाल ही में बोरी दुर्ग में स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में 14 कक्षाओं का निर्माण कराया है। साथ ही साथ स्कूल में इस बार बालक और बालिकाओं के लिए शौचालय एवं वॉटर फिल्टर का प्रबंध भी राउंड टेबल द्वारा किया गया है। इन कक्षाओ के निर्माण से छात्रों को हो रही असुविधा से मुक्ति मिलेगी। पढ़ने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनेगा। इससे पहले भी भिलाई राउंड टेबल द्वारा बिरेभाठ, कोड़िया, समोदा, कोसा नगर, बापू नगर, ननखट्टी, धौर में स्कूली कक्षाओ का निर्माण कराया गया है। भिलाई राउंड टेबल पिछले 10 सालों से निष्पक्ष इन कक्षाओं का निर्माण कर रहा है। अभी तक कुल 48 कक्षाओं का निर्माण दुर्ग- भिलाई की विभिन्न स्कूलों में कराया जा चुका है। इसके अलावा भिलाई राउंड टेबल द्वारा टॉयलेट ब्लॉक का निर्माण भी विभिन्न स्कूलों में कराया जा चुका है। भिलाई राउंड टेबल स्कूली बच्चों से जुड़ी ज़रुरत की चीजों का भी हमेशा से योगदान करते आया है। कभी खाने के बर्तन, तो कभी बच्चों के जूते और मफलर तो कभी किसी स्कूल में वाटर फ़ल्टिर विभिन्न कार्यो मैं हमेशा भिलाई राउंड टेबल का योगदान रहा है। इस संस्था से दुर्ग क्षेत्र के युवा उद्यमी, शिक्षाविद तथा समाजसेवी जुड़े हुए हैं। अब तक विभिन्न स्कूलों में 2 करोड़ की लागत से 48 क्लासरूम का निर्माण कराया जा चुका है।

भिलाई राउंड टेबल ने कराया निर्माण, वॉटर फिल्टर भी कराया उपलब्ध

तिलक लगाकर विद्यार्थियों का स्वागत

संकुल स्तरीय प्रवेशोत्सव में बच्चों ने दी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

भिलाई। जुनवानी स्कूल में शाला प्रवेशोत्सव का आयोजन किया गया। अतिथियों के इस अवसर पर वृक्ष मित्र के रूप पौधे रोपे। इसके बाद कक्षा पहली, 6वीं और 9वीं के नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। पार्षद मुकेश अग्रवाल, प्राचार्य वर्षा ठाकुर प्रमुख रूप से मौजूद थे। इस अवसर पर गुलाब बाई परमार, ठाकुर चूड़ामणि सिंह परमार की स्मृति में कक्षा 9वीं में सर्वोच्च अंक पाने वाली शुभी यादव एवं आर्यन सिंह शालेय शुल्क पुरस्कार स्वरूप दिया गया। सिद्धि ठाकुर, मनमोहन सिंह की स्मृति में 103 विद्यार्थियों को पानी बॉटल का वितरण किया गया। इसके अलावा निःशुल्क पाठ्य पुस्तक और शालेय गणवेश प्रदान किया गया। 10 वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्र कुसुम साव के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि कुसुम विद्यालय की छुट्टी के बाद घर न जाकर अपनी मां का हाथ बटाने नारियल ठेले में चली जाती है। इसके बाद सड़क किनारे लाइट में पढ़ाई करती थी। उसने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संचालन प्रतिभा बुरहान एवं हरनारायण सिंह राजपूत ने किया। इस अवसर पर सिमरन, फूलचंद साहू, भुखऊ साह, रमेश गुप्ता, सुरभि सिंह, पी बुरहान, कर्महे, बी मैथ्यू, एशमी बंजारे सहित अन्य मौजूद थे।

विद्यार्थियों को पानी बॉटल का वितरण किया

केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में हिन्दी ओलंपियाड का आयोजन

हिंदी ओलंपियाड में 208 बच्चों ने लिया हिस्सा, बताया- हिंदी साहित्य पढ़ने से दूर होता है अवसाद, 42 बच्चों को मिला मेडल

कार्नर न्यूज

भिलाई। केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में हिन्दी ओलंपियाड का आयोजन किया गया था। जिसमें स्कूल के बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया और 42 मैडल जीते। जिसमें आराध्य एस उपाध्याय, मानसी यादव और काव्या वर्मा ने प्रथम स्थान अर्जित कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।केन्द्रीय विद्यालय दुर्ग में हिन्दी ओलंपियाड में 208 बच्चों ने भाग लिया। जिसमें से 42 बच्चों ने मेडल और सर्टिफिकेट प्राप्त किए। प्राथमिक विभाग के 28 और माध्यमिक विभाग के 14 बच्चों ने पुरस्कार और पदक प्राप्त किए। आराध्य एस उपाध्याय, मानसी यादव और काव्या वर्मा ने प्रथम स्थान अर्जित कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

प्राचार्य ने विजेता बच्चों को किया प्रोत्साहित, सभी एक-दूसरे से लें प्रेरणा

केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में आयोजित कार्यक्रम में हिंदी ओलंपियाड में भाग लेने वाले बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मैडल सौंपे गए। प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने सभी विजेता छात्रों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य का अध्ययन करने से आनंद मिलता है। भाषा कोई भी हो ज्ञान का माध्यम है। हिंदी साहित्य भी समृद्ध है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अजय आर्य ने बच्चों को प्रोत्सहित किया और कहा कि मेहनत की स्याही से जो लिखते हैं अपने इरादों को, उनके मुकद्दर में कभी खाली पन्ने नहीं होते। जिंदगी प्रगति का नाम है और हम सभी को एक दूसरे से प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि हिंदी ओलंपियाड सतीश धीवर के नेतृत्व में यह आयोजन आयोजित किया गया था। पुरुषोत्तम साहू एवं डॉ. अजय आर्य ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर हिंदी ओलंपियाड द्वारा प्राचार्य उमाशंकर मिश्र को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने अपना स्मृति चिन्ह हिंदी विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका नीता दास को दिया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के शिक्षक सतीश धीवर, टकेश्वर साहू, पुरुषोत्तम साहू, डॉ राखी श्रीवास्तव, डॉ. अजय आर्य उपस्थित रहे।

इन छात्रों को मिला मेडल और प्रमाण पत्र

आराध्य एस उपाध्याय, मानसी यादव और काव्या वर्मा ने प्रथम स्थान अर्जित कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। नवनीत सिंह, अदित्री अवस्थी, भूविका दीनानी, श्रीयश श्रीवास्तव, योशिता साहू और हर्ष पटेल ने द्वितीय स्थान अर्जित कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। भूमि निर्मलकर, साक्षी पांडेय, अथर्व अवधूत, छविलता साहू और प्रथमेश पटले ने तृतीय स्थान अर्जित कर कांस्य पदक प्राप्त किया। हिन्दी ओलंपियाड में भाग लेने वाले छात्रों की उत्साहजनक संख्या को देखते हुए विद्यालय को भी सम्मान चिन्ह प्राप्त हुआ जो प्राचार्य उमाशंकर मिश्रा ने ग्रहण किया।

ज्योतिष

कई ग्रह के अपनी चाल में बदलाव से लाभ की प्राप्ति संभव

जुलाई का नया सप्ताह ज्योतिष और धार्मिक दोनों ही दृष्टि से खास है। इस हफ्ते जहां महादेव के प्रिय माह सावन की शुरुआत होगी, वहीं कई ग्रह भी अपनी चाल में बदलाव करेंगे। बता दें, 11 जुलाई से सावन महीने की शुरुआत होगी। लेकिन, उससे पहले 9 जुलाई को देव गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में उदय होंगे। इसके अलावा 13 जुलाई को न्याय के कारक शनि मीन में वक्री होंगे। साथ ही चंद्रमा वृश्चिक, धनु और मकर राशि में गोचर करेंगे। ऐसे में इस पूरे सप्ताह ग्रहों का शुभ प्रभाव 12 राशियों पर बना रहेगा। हालांकि, कुछ राशि वालों को विशेष लाभ की प्राप्ति संभव है।

मेष : मेष राशि वालों के लिए यह सप्ताह नए अवसर लेकर आया है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो कोई अहम फैसला लेंगे जिससे लाभ मिलने के योग है। करियर की दृष्टि से यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। जीवनसाथी से कोई बड़ा सरप्राइज़ गिफ्ट भी मिल सकता है। इस दौरान रोजी-रोजगार के संबंध में की गई यात्राएं शुभ साबित होंगी। सामाजिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी। यह सप्ताह आपके लिए एक नई शुरुआत की तैयारी का समय भी है। पूर्व में की गई गलतियों को सुधारेंगे।

सिंह : सिंह राशि वालों के लिए समय खास रहेगा। आपको माता-पिता का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होगा। सप्ताह की शुरुआत में यात्रा पर जाने के योग बनेंगे। मैरिड लाइफ सुखमय बनी रहेगी। इस दौरान संतान पक्ष से सुख-सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के किसी प्रिय सदस्य की उन्नति से मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में आपको विशेष लाभ मिलने के योग बनेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगें। परिवार खासकर माता-पिता और बुजुर्गों के साथ समय बिताना आपके लिए अत्यंत लाभकारी रहेगा। निवेश में आप अच्छा लाभ कमाएंगें।

तुला : यह सप्ताह आपके लिए शुभ रहेगा। किसी प्रिय व्यक्ति के आगमन से घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा। अटकी हुई योजनाओं में गति आने से आपके भीतर सकारात्मकता बढ़ेगी। इस दौरान विवाह में आ रही बाधाएं दूर होंगी। यदि आप पहले से प्रेम संबंध में बने हुए हैं, तो लव पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के अवसर प्राप्त होंगे। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मानसिक शांति बढ़ेगी। तनाव में कमी आएगी। नए काम से अच्छा लाभ होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। यह सप्ताह यात्रा, शिक्षा और नए विचारों से भरा रहेगा।

घर पर लगे ये पौधे दिलाते हैं अपार धन-दौलत और खत्म करते हैं वास्तु दोष

धरती पर जीवन की कल्पना बिना पेड़-पौधे के संभव नहीं है। पेड़-पौधे हमारे जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदू धर्म और संस्कृति में पेड़-पौधों को पर्यावरण के लिए खास तो माना ही गया है। साथ ही यह जीवन में शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों और वास्तु शास्त्र में कई ऐसे पौधों के बारे में वर्णन है जिसे लगाने से हरियाली तो मिलती ही है साथ ही दुर्भाग्य और वास्तु संबंधी दोष भी दूर होते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ ऐसे पौधे होते हैं जिसे घर पर लगाने से न सिर्फ वास्तु दोष खत्म होता है, बल्कि इससे आर्थिक संपन्नता में वृद्धि होती है और धन चुंबक की तरह आकर्षित होता है।

क्रासुला का पौधा : वास्तु शास्त्र में क्रासुला के पौधे को बहुत ही शुभ और लाभकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस पौधे को घर पर लगाने से पैसों से जुड़ी परेशानियों का अंत होता है और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। इसकी छोटी-छोटी पत्तियों में धन को आकर्षित करने की अनोखी शक्ति होती है। जिन घरों में यह पौधा लगा होता है वहां पर कभी भी दरिद्रता का प्रवेश नहीं होता है।

तुलसी का पौधा : हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पूजनीय माना गया है। तुलसी के पौधे में साक्षात माता लक्ष्मी का वास होता है और यह भगवान विष्णु को अतिप्रिय होता है। जिन घरों में तुलसी का पौधा होता है और नियमित रूप से पूजा होती है वहां पर धन की कोई कमी नहीं रहती। घर पर तुलसी का पौधा होने से धन संबंधी तमाम तरह की परेशानियां दूर होती हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

मनी प्लांट का पौधा : मनी प्लांट के पौधे को धन-दौलत और सुख-समृद्धि पाने के लिए अच्छा माना जाता है। ज्योतिष में मनी प्लांट के पौधे का संबंध शुक्र ग्रह से होता है। जिन घरों में मनी प्लांट का पौधा लगा हुआ होता है वहां पर हमेशा सुख, समृद्धि और संपन्नता आती है। इस पौधे के घर पर लगा होने से आर्थिक स्थिति में मजबूती आती है।

बांस का पौधा : बांस का पौधा शुभता, वृद्धि और दीर्घायु का प्रतीक माना जाता है। यह पौधा फेंगशुई के साथ-साथ भारतीय वास्तु में भी समृद्धि देने वाला माना गया है। वास्तु अनुसार के अनुसार इसे घर की पूर्व दिशा या लिविंग रूम में रखा जाना चाहिए।

युवा-बुजुर्ग सभी देखे जा रहे इसका शिकार

कोरोना के बाद अब एक नई 'साइलेंट महामारी' को लेकर अलर्ट

हाल के वर्षों में दुनियाभर ने कोरोना जैसी घातक महामारी का सामना किया। इसके कारण करोड़ों लोग न केवल संक्रमण का शिकार हुए, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों की मौतें भी हुईं। हालांकि, वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के लिए कोरोना महामारी अकेली चिंता नहीं है, कई अन्य प्रकार की स्वास्थ्य स्थितियां भी परेशान करती रही हैं। ऐसी ही एक समस्या है अकेलापन, जिसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया का हर छठा व्यक्ति अकेलेपन का शिकार है, ये स्थिति खामोश महामारी का रूप लेती जा रही है। अकेलापन यानी लोगों से अलग-थलग रहना, बातचीत न हो पाना एक बड़े खतरे के तौर पर उभरती स्थिति है।

अकेलापन- एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य

डब्ल्यूएचओ ने अकेलेपन को एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य खतरा घोषित किया है। अमेरिकी विशेषज्ञों ने कहा कि इसके घातक दुष्प्रभाव एक दिन में 15 सिगरेट पीने के बराबर हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो अकेलेपन की समस्या नई नहीं है, ये लंबे समय से स्वास्थ्य के लिए चिंता का कारण बनी रही है। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के रुकने और कई प्रकार की नकारात्मक स्थितियों ने खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। साल 2023 में डब्ल्यूएचओ ने अकेलेपन की बढ़ती समस्या पर एक अंतरराष्ट्रीय आयोग का गठन भी किया था। अकेलेपन के कारण स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों पर नजर डालें तो पता चलता है कि वृद्ध वयस्कों में, अकेलेपन के कारण डिमेंशिया जैसी गंभीर समस्या विकसित होने का जोखिम 50%, जबकि कोरोनरी आर्टरी रोग या स्ट्रोक होने का जोखिम 30% तक बढ़ जाता है। ये युवाओं के जीवन को भी प्रभावित कर रही है। आंकड़ों के अनुसार, 5% से 15% किशोर अकेलेपन का अनुभव करते हैं। अफ्रीका में 12.7%, जबकि यूरोप में यह आंकड़ा 5.3% है।

समय से पहले बढ़ा देता है मृत्यु का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सोशल कनेक्शन कमीशन की रिपोर्ट में इस संकट को उजागर किया गया है। रिपोर्ट के सह-अध्यक्ष डॉ. विवेक मूर्ति का कहना है कि यह अकेलापन न केवल लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है, बल्कि शिक्षा, रोजगार और अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर डाल रहा है। खास तौर पर युवाओं में अत्यधिक मोबाइल और स्क्रीन समय और नकारात्मक ऑनलाइन व्यवहार मानसिक तनाव को और बढ़ा रहे हैं। जबकि सामाजिक जुड़ाव जीवन को लंबा, स्वस्थ और खुशहाल बनाता है। वहीं, अकेलापन स्ट्रोक, हृदय रोग, मधुमेह, स्मृति की समस्या और समय से पहले मृत्यु का खतरा बढ़ा देता है।

ऑनलाइन जुड़ाव अधिक, फिर भी अकेलापन

आज के दौर में तकनीकी साधनों के माध्यम से लोगों से जुड़ाव पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। मोबाइल फोन, वीडियो कॉल, ऑनलाइन संदेश और वर्चुअल बैठकें अब आम हो गई हैं, लेकिन इन सबके बावजूद अकेलेपन की बढ़ती भावना काफी चिंताजनक है। अकेलापन केवल मानसिक पीड़ा नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव हर वर्ष आठ लाख सत्तर हजार से ज्यादा लोगों की जान ले रहा है, यानी हर घंटे सौ से अधिक लोगों की मृत्यु इसके कारण हो रही है।

इन लोगों को नहीं रखना चाहिए सावन सोमवार का व्रत, फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

सावन का महीना हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है। ये पूरा महीना भगवान शिव की भक्ति को समर्पित होता है। खासतौर पर सावन का सोमवार बहुत ही पवित्र माना जाता है। इस दिन लोग व्रत रखकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ऐसी मान्यता है कि सावन सोमवार का व्रत रखने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। यूं तो सावन के सोमवार का व्रत बहुत ही पवित्र माना जाता है, लेकिन यह व्रत सबके लिए फायदेमंद हो यह जरूरी नहीं। दरअसल, कुछ ऐसी हेल्थ कंडीशंस होती हैं, जिसमें सावन के सोमवार का व्रत रखना आपके लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है। कुछ खास स्थितियों में व्रत सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है और गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इसलिए, सावन के सोमवार का व्रत रखने से पहले यह जरूर जान लें की किन लोगों को यह व्रत नहीं करना चाहिए।

डायबिटीज के मरीजों के लिए जोखिम भरा हो सकता है व्रत : अगर कोई व्यक्ति डायबिटीज से पीड़ित है, तो उसे सावन सोमवार का व्रत रखने से पहले जरूर सोच लेना चाहिए। व्रत के दौरान लंबे समय तक खाली पेट रहना पड़ता है और डायबिटीज के मरीजों को समय-समय पर भोजन और दवा की जरूरत होती है। अगर खाने और दवा का संतुलन बिगड़ा, तो शरीर में शुगर का लेवल अचानक गिर या बढ़ सकता है, जिससे चक्कर आना, बेहोशी या अन्य गंभीर समस्या हो सकती हैं। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को बिना डॉक्टर की सलाह के व्रत नहीं रखना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाओं को भी व्रत से करना चाहिए परहेज : प्रेग्नेंसी एक बहुत ही सेंसिटिव स्टेज होती है, जिसमें महिलाओं को खास देखभाल की जरूरत होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को नियमित तौर पर हेल्दी डाइट लेना जरूरी होता है, जिससे मां और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। व्रत के दौरान भूखा रहना या सीमित आहार लेना, प्रेग्नेंट लेडीज के शरीर को जरूरी पोषण नहीं दे पाता और इससे बच्चे की ग्रोथ पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा गर्भावस्था में कमजोरी, चक्कर आना और ब्लड प्रेशर कम होने की समस्याएं आम होती हैं, जो व्रत के चलते और बढ़ सकती हैं।

35 का होते ही महिलाओं के क्यों झड़ने लगते बाल? ये हैं वजह और उपचार

खूबसूरत लंबे घने बाल ना सिर्फ आपके चेहरे की सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि अच्छी सेहत की भी निशानी होते हैं। हालांकि, आजकल बिगड़ी हुई जीवनशैली, बढ़ता तनाव, खानपान की खराब आदतें और बालों पर करवाया जाने वाला केमिकल ट्रीटमेंट, ज्यादातर लोगों के लिए हेयर फॉल की समस्या पैदा कर रहा है। चिंता की बात यह है कि 35 की उम्र के बाद महिलाओं में यह समस्या ज्यादा बढ़ने लगती है। अगर आप भी बालों के झड़ने से परेशान रहते हैं तो हेयर फॉल कंट्रोल करने के लिए पार्लर में अपॉइंटमेंट नहीं, बल्कि इसके पीछे की असल वजह और उपचार का पता लगाएं।

हार्मोनल बदलाव : महिलाओं के शरीर में 35 के बाद कई तरह के हार्मोनल बदलाव आने शुरू हो जाते हैं। लेकिन, यह बदलाव 40 की उम्र आने तक काफी ज्यादा बढ़ जाते हैं। इस उम्र में कई महिलाएं अपने प्रीमेनोपॉज फेज से गुजर रही होती है तो कुछ का उम्र बढ़ने की वजह से शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन लेवल कम होने लगता है। इन दोनों हार्मोन के कम होने से हेयर फॉलिकल्स कमजोर हो जाते हैं, जिससे बाल पतले और टूटने लगते हैं।

पोषक तत्वों की कमी : शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व आयरन, विटामिन डी, बायोटिन और प्रोटीन की कमी लंबे समय तक होने से भी हेयर फॉल की समस्या हो सकती है।

स्ट्रेस : लाइफ में बढ़ता स्ट्रेस भी आपके हेयर फॉल का कारण बन सकता है। जो महिलाएं लंबे समय तक स्ट्रेस में रहती हैं उनकी हेयर ग्रोथ साइकिल डिस्टर्ब हो जाती है, जो हेयर फॉल का कारण बनती है।

मेडिकल कंडीशन : उम्र बढ़ने के साथ अगर आपको थायराइड डिसऑर्डर, डायबिटीज या ऑटोइम्यून डिजीज जैसी कोई मेडिकल समस्या है तो भी आपको हेयर फॉल की समस्या हो सकती है। इसके अलावा कई बार कुछ खास दवाएं जैसे ब्लड प्रेशर, कीमोथेरेपी, एंटीडिप्रेसेंट्स लेने से भी हेयर फॉल हो सकता है।

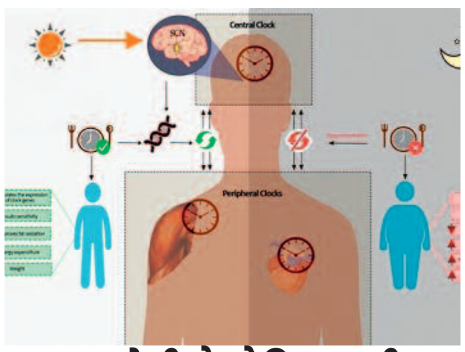

क्या होती है जैविक घड़ी? स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या है बॉडी क्लॉक का महत्व

रात होते ही हमें अपने आप नींद आने लगती है, और सुबह जैसे ही उजाला होता है हम जाग जाते हैं। उठने के बाद हमें अपनी दैनिक क्रियाएं करनी होती हैं और फिर हमें भोजन करने की इच्छा होती है। आपने ध्यान दिया होगा कि हम ये सभी काम एक तय समय पर ही करते हैं। हमें कब क्या करना है, हमारा शरीर खुद ही समझ जाता है, और इन सब के पीछे काम करती है हमारे शरीर की जैविक घड़ी।

दरअसल, हमारे शरीर के अंदर एक खास सिस्टम होता है, जिसे जैविक घड़ी कहते हैं। इसे सर्केडियन रिदम या बॉडी क्लॉक जैसे नामों से भी जाना जाता है। यह घड़ी हमारे शरीर और दिमाग को 24 घंटे के एक तय टाइम-टेबल पर चलाने में मदद करती है।

जैविक घड़ी का मुख्य कार्य हमारे सोने-जागने के पैटर्न, भूख, पाचन क्रिया, कई हार्मोनों के स्राव और शरीर के तापमान जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को नियंत्रित करना है। यह विशेष रूप से उजाला और अंधेरा के आधार पर काम करती है, जैसे सुबह की रोशनी हमें जागने का संकेत देती है और रात का अंधेरा हमें सोने का संकेत देती है। एक स्वस्थ और संतुलित जीवन के लिए इस जैविक घड़ी का सही तालमेल बनाए रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका असंतुलन कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है।

जैविक घड़ी कैसे काम करती है?

हमारी जैविक घड़ी शरीर के कामों को दिन-रात के हिसाब से चलाती है। सुबह सूरज की रोशनी हमारे दिमाग को जगाती है, जिससे कॉर्टिसोल जैसे हार्मोन ज्यादा बनते हैं और हम तरोताजा महसूस करते हैं। रात में अंधेरा होने पर मेलाटोनिन हार्मोन बढ़ता है, जिसकी वजह से हमें नींद आने लगती है। अगर हम देर रात तक जागते हैं, अनियमित सोते हैं, या बहुत ज्यादा स्क्रीन देखते हैं, तो ये आदतें इस चक्र को बिगाड़ सकती हैं। इसका बुरा असर हमारी संपूर्ण सेहत पर पड़ता है, जैसे हमें थकान, चिड़चिड़ापन होने लगता है, साथ ही हमारा इम्यूनिटी सिस्टम भी कमजोर होने लगता है।

असंतुलन के नुकसान

जब जैविक घड़ी बिगड़ती है, तो कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अनियमित नींद से मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कमजोर इम्यूनिटी का जोखिम बढ़ता है। देर रात तक मोबाइल या लैपटॉप का उपयोग मेलाटोनिन के स्राव को कम करता है, जिससे नींद की कमी होती है। अनियमित खानपान मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बन सकता है। लंबे समय तक जैविक घड़ी का असंतुलन मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जैसे चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी।

जैविक घड़ी को स्वस्थ रखने के उपाय

जैविक घड़ी को संतुलित रखने के लिए नियमित दिनचर्या अपनाएं। रोजाना एक ही समय पर सोएं और जागें। सुबह सूरज की रोशनी लें और रात में नीली रोशनी (मोबाइल, टीवी) से बचें। निश्चित समय पर भोजन करें और रात को हल्का खाना खाएं। नियमित व्यायाम, खासकर सुबह, और योग या ध्यान तनाव को कम करते हैं। अगर नींद या अन्य समस्याएं बनी रहें, तो डॉक्टर से सलाह लें। नियमित जैविक घड़ी स्वस्थ, ऊर्जावान और बीमारी-मुक्त जीवन की कुंजी है।

कार्नर न्यूज

हर साल हृदयघात के कारण लाखों लोगों की हो जाती है मौत

बिना लक्षणों के भी हो सकता है हार्ट अटैक इन लोगों में होता है इसका ज्यादा खतरा

हार्ट अटैक वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है, हर साल हृदयघात के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2022 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि हार्ट अटैक के कारण सालाना करीब दो करोड़ लोगों की मौत हो गई। इसका खतरा साल-दर साल बढ़ता ही जा रहा है। हाल के दिनों में आपने भी क्रिकेट खेलते-खेलते, ऑफिस में काम करते, बातचीत करते-करते हार्ट अटैक से मौत की खबरें सुनी-पढ़ी होंगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस तरह से हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ता जा रहा है, इसको लेकर सभी लोगों को पहले से सावधान रहने की आवश्यकता है। लाइफस्टाइल और खान-पान में सुधार करके आप हृदय स्वास्थ्य में न सिर्फ सुधार कर सकते हैं, बल्कि हार्ट अटैक से बचाव भी कर सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

मशहूर हार्ट सर्जन और माधुरी दीक्षित के पति डॉ. श्रीराम नेने ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि हार्ट अटैक के 20 फीसदी मामले बिना किसी लक्षण के भी हो सकते हैं। हृदय के अचानक पंप करना बंद कर देने या फिर अनियमित और खतरनाक धड़कन की स्थिति हार्ट अटैक का कारण बन सकती है। इस तरह के हार्ट अटैक के मामले में व्यक्ति थोड़ा अस्वस्थ महसूस कर सकता है, बेहोश हो जाता है। निदान के दौरान हार्ट अटैक की पुष्टि हो सकती है। बिना किसी लक्षण के दिल का दौरा पड़ने को 'साइलेंट हार्ट अटैक' या साइलेंट मायोकार्डियल इंफार्क्शन कहा जाता है। महिलाओं या डायबिटीज के शिकार लोगों में इसका खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

साइलेंट हार्ट अटैक में क्या दिक्कतें होती हैं?

हार्ट अटैक का नाम सुनते ही सीने में दर्द की समस्या होना सबसे आम माना जाता है, पर साइलेंट हार्ट अटैक में ये लक्षण भी नहीं होते हैं। साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण ऐसे होते हैं जिन्हें आप आमतौर पर हार्ट अटैक से जोड़कर नहीं देखते। आपको शायद पता ही न चले कि आपको हार्ट अटैक हुआ है। साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण आपको ऐसा महसूस करा सकते हैं जैसे आपको फ्लू है। ऐसे मामलों में अक्सर रोगी बहुत थके हुए, अपच, सिर चकराने जैसी शिकायतें करते हैं।

आखिर साइलेंट हार्ट अटैक होता क्यों है?

अब सवाल ये है कि आखिर साइलेंट हार्ट अटैक क्यों होता है? इस बारे में स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कोरोनरी आर्टरी डिजीज इस समस्या का मूल कारण है। आमतौर पर हाई कोलेस्ट्रॉल के शिकार लोगों में ये खतरा अधिक रहता है। कोलेस्ट्रॉल आपकी कोरोनरी धमनियों में जमा हो जाती है, जिससे आपके हृदय की मांसपेशियों तक रक्त का संचार कम हो जाता है। ये रक्त के थक्के का खतरा भी बढ़ा देती है जिससे भी ऑक्सीजन युक्त रक्त का प्रवाह रुक जाता है और इसके कारण हृदय की कोशिकाएं डेड होने लग जाती हैं।

कहीं आपको भी तो नहीं है इसका खतरा?

डॉक्टर बताते हैं, साइलेंट हार्ट अटैक के कई जोखिम कारक हो सकते हैं, अगर आपको भी इस तरह की कोई दिक्कत है तो सावधान हो जाइए। अधिक वजन (बीएमआई या बॉडी मास इंडेक्स 25 या उससे अधिक होना) या नियमित शारीरिक गतिविधि न करना आपके लिए दिक्कतें बढ़ाने वाला हो सकता है। इसके अलावा यदि आपको उच्च रक्तचाप या हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या रहती है तो भी सावधान हो जाइए और डॉक्टर से सलाह जरूरी ले लें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

कभी पेट भरने के लिए 300 रुपए में बेचा पालतू डॉग, फिर एक फिल्म ने बदली 'रॉकी' की किस्मत

फिल्मों में गोलियों की बारिश में भी अडिग खड़ा हीरो था रैंबो। एक ऐसा फाइटर जो रिंग में खड़ा होकर अपने सामने वाले को एक मुक्के में धूल चटा देता है, वो था रॉकी बाल्बोआ और तबाही का दूसरा नाम- एक्सपेंडेबल्स जिसका कैप्टन कभी हार नहीं मानता। इन सब किरदारों के पीछे एक ही नाम है- सिलवेस्टर स्टैलोन। सिल्वेस्टर स्टैलोन का जन्म 6 जुलाई 1946 को अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में हुआ था। जन्म के दौरान डॉक्टर्स की एक गलती के कारण उनके चेहरे का निचला हिस्सा पैरालाइज्ड हो गया। इसका असर उनकी आवाज और बोलने के तरीके पर भी पड़ा, जिससे उनका स्कूल जीवन काफी मुश्किल हो गया। साथ ही, माता-पिता के बीच झगड़ों ने उनके बचपन को और भी मुश्किल बना दिया। स्कूल में उन्हें कई बार निकाल दिया गया क्योंकि वो चिड़चिड़े हो गए थे और लड़ाई-झगड़ा करने लगे थे। जवानी में उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा, लेकिन उनका चेहरा और भारी आवाज देखकर किसी भी निर्माता ने उन्हें मौका नहीं दिया। पैसों की तंगी इस कदर थी कि उन्हें कई दिन बिना खाना खाए गुजारने पड़े। इतना ही नहीं, साल 1971 में उन्होंने अपने प्यारे पालतू कुत्ते 'बटकस' को भी सिर्फ 40 डॉलर यानी सिर्फ 300 रुपए में बेच दिया, ताकि वो खुद का पेट भर सकें। साल 1975 में एक दिन उन्होंने मशहूर बॉक्सर मोहम्मद अली की एक फाइट देखी।

टॉलीवुड

सुरेश रैना ने एक्टिंग में रखा कदम तमिल फिल्म से डेब्यू को तैयार

ग्लैमर और क्रिकेट एक-दूसरे को अपनी ओर खींचते रहे हैं। कई क्रिकेटरों को अपना जीवनसाथी फिल्मी सितारों में नजर आया, तो कई सितारों को अपना बिजनेस-करियर क्रिकेट में दिखा। अब टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा है। वे तमिल फिल्म 'प्रोडक्शन नंबर 1' से डेब्यू करने जा रहे हैं। स्टार क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक्टिंग डेब्यू का ऐलान करके फैंस और क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित कर दिया है। प्रोडक्शन हाउस ड्रीम नाइट स्टोरीज ने एक वीडियो शेयर करके सुरेश रैना की पहली फिल्म के बारे में बताया, जिसका नाम प्रोडक्शन नंबर 1 बताया जा रहा है। इसे मशहूर डायरेक्टर लोगन बना रहे हैं, जिनके पास मान कराटे, रेमो और गेतु जैसी फिल्में बनाने का अनुभव है। फिल्म के टीजर लॉन्च ईवेंट में तमिल सिनेमा के बड़े नाम पहुंचे थे। प्रोमो में एक आदमी शोर-शराबे के बीच क्रिकेट मैदान में चलता नजर आ रहा है। फिर सुरेश रैना की साइड प्रोफाइल की झलक मिलती है। उन्होंने वीडियो के साथ दिए कैप्शन में लिखा है, 'चिन्ना थाला सुरेश रैना का स्वागत करें, जो 'प्रोडक्शन नंबर 1 का हिस्सा हैं।' सुरेश रैना के फैंस उन्हें प्यार से चिन्ना थाला कहते हैं, क्योंकि वे आईपीएल फ्रेंचाइजी से लंबे वक्त तक चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े रहे हैं। उन्होंने एक्स पर अपना वीडियो शेयर करते हुए लिखा, क्रिकेट फील्ड से कॉलीवुड फ्रेम तक, चैन्नई का जुनून मेरे साथ है। ड्रीम नाइट स्टोरीज के साथ नई जर्नी शुरू करने पर रोमांचित हूं.' सुरेश रैना के साथी शिवम दुबे ने उनके फिल्मी सफर पर अपना रोमांच जताया।

भोजपुरी

गुजराती बहू बनकर छाई काजल राघवानी अनोखी है फिल्म की कहानी

काजल राघवानी की अपकमिंग मूवी गुजराती बहू का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया है। इसे खूब पसंद किया जा रहा है। फिल्म में काजल राघवानी ने एक गुजराती बहू का किरदार निभाया है, जिसकी शादी उत्तर प्रदेश में रहने वाले एक परिवार से हो जाती है। जहां वो सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, लेकिन उसकी जिंदगी में तूफान मच जाता है। वो लड़की को अपनाने से इनकार कर देते हैं। लेकिन, लड़की अपनी नेकदिली से सबका दिल जीत लेती है। जब सब कुछ ठीक हो रहा होता है, तभी कुछ ऐसा होता है कि उसकी जिंदगी बदल जाती है। इस फिल्म में काजल राघवानी, प्रशांत सिंह, रंभा साहनी, रिंकू भारती, संगीता राय, पुष्पेंद्र राय, रीतु चौहान, पार्थ मिश्रा, प्रेम दुबे, अनिता ओझा, पूर्वी दुबे, ज्योति सिंह, रागिनी यादव, कमलेश सिंह हैं। हर्ष राज और दीक्षा मिश्रा बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आए हैं। डायरेक्टर मंजुल ठाकुर हैं। लेखक अरविन्द तिवारी हैं। फिल्म के निर्माता संदीप सिंह, मंजुल ठाकुर हैं। इस फिल्म के ट्रेलर को खूब सराहा जा रहा है। इसे यूट्यूब पर अब तक 1,749,191 व्यूज मिल चुके हैं। लोग इसकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक ने लिखा, 'क्या गजब यूनिक मूवी आया है अपनी क्वीन का।' दूसरे ने कहा, 'बहुत बढ़िया'। एक और ने कहा, 'सुपर मूवी है।'

लाइफ स्टाइल

समर स्टाइल के लिए खास है ये लुक

विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप देखने पहुंची प्रियंका चोपड़ा ने राल्फ लॉरेन की डिज़ाइन की गई 1.84 लाख रुपए की एल्ड्रेड कॉटन पिके डे ड्रेस पहनी थी, जिसे इस समर सीजन के लिए परफेक्ट माना जा रहा है। इस ड्रेस में देसी गर्ल काफी क्लासिक और एलीगेंट नजर आईं। इस शानदार आउटफिट की सबसे बड़ी खासियत इसका इटालियन कॉटन पिके फैब्रिक है, जो न केवल हल्का और आरामदायक है, बल्कि गर्मी के मौसम में बिल्कुल परफेक्ट भी। ड्रेस में स्ट्रक्चर्ड स्प्रेड कॉलर, स्लीवलेस फिटेड नेकलाइन और बैकलेस डिटेल ने इसे सिंपल होने के साथ-साथ ग्लैमरस भी बना दिया। वहीं, साइड-सीम पॉकेट्स ने आउटफिट को एक कैजुअल मॉडर्न टच दिया।

सावन के महीने में जाना है शिव मंदिर तो ट्राई करें ये आउटफिट

11 जुलाई से शुरू होने वाले सावन के महीने में इस बार चार सोमवार पड़ेंगे। वैसे तो इस पूरे महीने ही शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें होते हैं। लेकिन, सोमवार को लोग जो लोग व्रत-उपवास करते हैं, वो इस दिन अवश्य ही मंदिर जाकर भोलेनाथ की अराधना करते हैं। मान्यता है कि सावन में सच्चे मन से भोलेनाथ की अराधना करने से हर मनोकामना पूरी होती है।

सावन सोमवार का व्रत अविवाहित लड़कियां मुख्य रूप से करती हैं। यदि आप भी सावन में भोलेनाथ की पूजा के लिए मंदिर जाना चाहती हैं तो खास आउटफिट पहनकर जाएं। ध्यान रखें कि मंदिर में आपके कपड़े जगह के हिसाब से होने चाहिए। ऐसे में यदि आप भी सावन के महीने में मंदिर जाना चाह रही हैं तो यहां दिए गए विकल्पों में से चयन करके अपना आउटफिट सिलेक्ट करें।

साड़ी : ये जरूरी नहीं है कि आप सावन में हरे रंग की साड़ी पहनकर मंदिर जाएं। आप लाल रंग की ऐसी बनारसी साड़ी पहनकर भी पूजा के लिए मंदिर जा सकती हैं। साड़ी पहन रही हैं तो इसका पल्लु सही से अटैच करें, क्योंकि खुला पल्लु भीड़ में आपको परेशान कर सकता है। वहीं, अपने बालों को भी खुला रखने की जगह मेसी बन बनाएं। मेसी बन के साथ गजरा भी लगा सकती हैं।

प्लाजो सूट : कुछ आरामदायक पहनना है तो साड़ी की जगह प्लाजो सूट कैरी करें। प्लाजो पहनकर आप जमीन पर बैठकर भी पूजा कर सकेंगी। चूड़ीदार पायजामी तो कतई पहनकर मंदिर न जाएं। इससे आपको काफी उलझन होगी। ऐसे में प्लाजो सूट पहनकर मंदिर जाएं। इसके साथ बालों को हल्का कर्ल करके हाफ टाई करें।

शरारा सूट : शरारा सूट देखने में काफी अच्छा लगता है और आज-कल तो ये काफी ट्रेंड में भी है। इसी वजह से ये हर लड़की के पास होता भी है। इसलिए, आप शिवालय शरारा सूट पहनकर भी जा सकती हैं। पीला रंग होता भी काफी शुभ है, इसलिए आप ऐसा पीले रंग का शरारा पहनकर मंदिर जाएं।

कुर्ता और पैंट : कुछ हल्का, लेकिन क्लासी लुक कैरी करना चाहती हैं तो हरे रंग की पैंट और उसके साथ का कुर्ता भी आप कैरी कर सकती हैं। ऐसे आउटफिट के साथ अपने बालों को हाफ टाई करें, ताकि आपके खुले बाल बार-बार आपको परेशान न करें। इसके साथ पैरों में फ्लैट्स ही पहनें।

रंग का रखें खास ध्यान : अब बारी आती है आउटफिट के रंग की तो ध्यान रखें शिव मंदिर में कभी भी काले और नीले कपड़े पहनकर नहीं जाने चाहिए। कोशिश करें कि आपका आउटफिट हरे रंग का हो।

मानसून में चेहरा हो रहा ऑयली? बढ़ रही पिम्पल की समस्या तो लगाएं ये पैक

मानसून का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह त्वचा के लिए कई परेशानियां भी लेकर आता है। हवा में नमी बढ़ने के कारण स्किन खासकर चेहरे पर ऑयल चिपकने लगता है। इससे चेहरे पर गंदगी जमती है, पोर्स बंद हो जाते हैं और पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। ऑयली स्किन वालों के लिए यह मौसम और भी ज्यादा चुनौती भरा हो सकता है। अगर आप बार-बार पिंपल्स, एक्ने और ब्लैकहेड्स से परेशान रहते हैं, तो घरेलू उपायों को आजमाना फायदेमंद हो सकता है। खासकर चावल का आटा और कुछ अन्य प्राकृतिक चीजें मिलाकर एक ऐसा फेस पैक तैयार किया जा सकता है, जो न केवल अतिरिक्त ऑयल को हटाएगा, बल्कि स्किन को साफ और ग्लोइंग भी बनाएगा।

चावल के आटे में मिलनी है ये चीज : चावल का आटा स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स स्किन को एक्सफोलिएट करने का काम करते हैं। यह डेड स्किन सेल्स हटाकर त्वचा को स्मूद बनाता है

और पोर्स को डीप क्लीन करता है। इसके साथ ही यह स्किन का पीएच बैलेंस बनाए रखने में भी मदद करता है। चावल का आटा नेचुरल तरीके से त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है, जिससे चेहरा ज्यादा फ्रेश और मैट फिनिश में नजर आता है। इसलिए, मानसून के मौसम में चावल के आटे से बना फेस पैक एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

प्राकृतिक उपाय अपनाकर स्किन को बनाएं ग्लोइंग

इस पैक का सप्ताह में 2 से 3 बार उपयोग करने से ऑयलीनेस कम होती है, पिंपल्स की समस्या कंट्रोल में रहती है और स्किन हेल्दी व साफ नजर आती है। साथ ही इस पैक में मौजूद सभी नेचुरल इंग्रीडिएंट्स स्किन को पोषण देते हैं और किसी भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं छोड़ते। अगर आप चाहें तो इस पैक में थोड़ी सी हल्दी भी मिला सकते हैं, जो एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है। मानसून में त्वचा को ऑयलीनेस और पिंपल्स से बचाने के लिए फेस पैक के साथ-साथ हेल्दी डाइट, भरपूर पानी पीना और स्किन की रेगुलर क्लीनिंग भी जरूरी है। रासायनिक प्रोडक्ट्स की बजाय प्राकृतिक उपाय अपनाकर आप अपनी स्किन को मानसून के मौसम में भी ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रख सकते हैं।

सफेद साड़ी पर बहुत खूबसूरत लगते हैं इस रंग के ब्लाउज

सफेद साड़ी को भारतीय पारंपरिक परिधानों में बेहद खास और क्लासिक माना जाता है। इसकी खास बात यह है कि यह हर उम्र की महिलाओं पर शालीन और एलिगेंट लुक देती है। खासकर जब सफेद साड़ी को साउथ इंडियन स्टाइल में स्टाइल किया जाए, तो यह एक रॉयल और कल्चरल फील देती है। लेकिन, सफेद साड़ी को परफेक्ट लुक देने के लिए सही रंग के ब्लाउज का चुनाव बेहद जरूरी होता है। सही ब्लाउज न सिर्फ आपके लुक को निखारता है, बल्कि आपको एक कम्प्लीट एथनिक अपील भी देता है।

गोल्डन ब्लाउज : सबसे पहले बात करें गोल्डन ब्लाउज की, तो यह सफेद साड़ी के साथ सबसे क्लासिक और रिच कॉम्बिनेशन माना जाता है। साउथ इंडियन स्टाइल में अक्सर महिलाएं सफेद या ऑफ व्हाइट कांजीवरम या कॉटन साड़ियों के साथ गोल्डन ज़री बॉर्डर वाले ब्लाउज पहनती हैं। गोल्डन ब्लाउज लुक में रॉयल टच देता है। इस लुक को और निखारने के लिए आप गोल्ड ज्वेलरी जैसे झुमके, हार और मांगटीका भी पहन सकती हैं।

गहरा लाल रंग का ब्लाउज

दूसरे नंबर पर आता है मरून या गहरा लाल रंग का ब्लाउज। यह रंग सफेद साड़ी के साथ बहुत अच्छा कंट्रास्ट बनाता है और पारंपरिक के साथ-साथ ग्लैमरस लुक भी देता है। खासकर सिल्क साड़ी के साथ जब मरून या रेड ब्लाउज पहना जाता है, तो वह फेस्टिव और फंक्शनल वियर के लिए बेहतरीन ऑप्शन बन जाता है।

नेवी ब्लू ब्लाउज : तीसरा लोकप्रिय विकल्प है रॉयल ब्लू या नेवी ब्लू ब्लाउज। यह कलर सफेद के साथ स्टाइलिश कंट्रास्ट बनाता है और मॉडर्न के साथ-साथ ट्रेडिशनल दोनों तरह का लुक देता है। रॉयल ब्लू ब्लाउज के साथ सिल्वर ऑक्सिडाइज्ड ज्वेलरी पहनने से लुक और भी आकर्षक लगता है।

नए जूते से कट रहे पैर? काम आएंगे ये उपाय, बेफिक्र पहनेंगे न्यू शूज और हील्स

नए जूते या हील्स खरीदने की खुशी जितनी होती है, उन्हें पहनने का दर्द उतना ही ज्यादा महसूस होता है। अक्सर लोग नए फुटवियर पहनते ही शिकायत करते हैं कि पैर में छाले हो गए, स्किन छिल गई या चलना मुश्किल हो रहा है। दरअसल, नए जूते थोड़े टाइट या सख्त हो सकते हैं और यही पैरों को नुकसान पहुंचाते हैं। खासकर जब आप बिना मोड़े के इन नए शूज को लंबे समय तक पहनते हैं। लेकिन, चिंता की बात नहीं है, कुछ आसान उपायों को अपनाकर आप न सिर्फ पैरों की सेफ रख सकते हैं, बल्कि अपने पसंदीदा नए फुटवियर को पूरे कॉन्फिडेंस के साथ पहन भी सकते हैं।

जूतों को पहले घर में पहनें : नए जूतों को बाहर पहनने से पहले कुछ

दिन घर में ही पहनने की आदत डालें। इससे जूते आपके पैरों के आकार के अनुसार थोड़ा ढीला हो जाएगा और बाहर पहनते समय रगड़ या छाले की समस्या नहीं होगी। दिन में 20-30 मिनट तक चलकर इसे 'ब्रेक इन'करने की कोशिश करें।

मोज़े पहनकर ढीले करें जूते : अगर जूते बहुत टाइट लग रहे हैं, तो मोटे मोजे पहनकर कुछ देर के लिए जूते पहनें। चाहें तो हेयर ड्रायर की गर्म हवा भी मोजे के ऊपर से जूते पर चला सकते हैं। इससे जूते की मटेरियल थोड़ा फैलता है और वह ज्यादा आरामदायक हो जाता है।

हील्स में पैड या सोल इनसर्ट्स डालें : अगर नई हील्स पहनने में एड़ी या पंजे में दर्द हो रहा है, तो सोल इनसर्ट्स या जेल पैड का इस्तेमाल करें। ये आपके पैरों को कुशनिंग देंगे और रगड़ से बचाएंगे। कई कंपनियां हील्स के लिए खासतौर पर डिज़ाइन किए गए पैड्स भी बनाती हैं।

नारियल तेल या वैसलीन लगाएं : पैर के उन हिस्सों पर, जहां जूते रगड़ खाते हैं (जैसे एड़ी, उंगलियों के पास), वहां नारियल तेल या वैसलीन की हल्की परत लगा लें। इससे स्किन पर एक सेफ लेयर बन जाती है और छाले या स्किन छिलने की समस्या नहीं होती।

कार्नर न्यूज

यूनीक डिजाइन से लड़कियां क्यों कर रहीं अपनी ड्रेस को मैच

ड्रामों ने बढ़ाया कोरियन स्टाइल की छतरियों का ट्रेंड

बारिश के मौसम को हमेशा रोमांस से जोड़ा गया है और जब से दुनिया कोरियन ड्रामों की फैन हुई है, तब से इसकी झलक फैशन में भी दिखने लगी है। मानसून भी इससे अछूता नहीं रहा है। इन दिनों लोगों के बीच कोरियन स्टाइल की छतरी का क्रेज बढ़ गया है। खासकर लड़कियां इसे अपने आउटफिट से मैच कर रहे हैं।

इनवर्टेड छतरी का क्रेज

कोरिया में स्टाइल के साथ कंफर्ट का भी ध्यान रखा जाता है, इसलिए वहां की इनवर्टेड छतरी भी बहुत पॉपुलर हैं। इनवर्टेड छतरी को उलटी छतरी भी कहा जा सकता है, क्योंकि ये पारंपरिक छतरियों से हटकर अंदर की तरफ बंद होती हैं। जब आप इसे बंद करते हैं, तो भीगा हिस्सा अंदर की ओर मुड़ जाता है, जिससे पानी बाहर नहीं टपकता. इसकी डबल लेयर तेज हवा में भी स्टेबल रहती है। इसका हैंडल सी शेप का होता है जो आसानी से पकड़ा जा सकता है।

फैशन स्टेटमेंट बन गई है ये छतरी

इनका प्रिंट और डिजाइन लड़कियों की चॉइस से बहुत मेल खाता है, इसलिए ये छतरियां फैशन स्टेटमेंट बन गई हैं। यह उनकी एक्ससेरीज का खास हिस्सा बन चुकी हैं। वह वेस्टर्न आउटफिट, ट्राउजर, स्कर्ट, को-ऑर्ड सेट से कलरफुल छतरियों को मैच कर रही हैं। यही नहीं, स्लिम बेल्ट्स, रेन बूट्स और रेन कोट्स के साथ इन्हें पेयर किया जा रहा है।

ट्रांसपेरेंट होती हैं कोरियन छतरी

भारत समेत पूरी दुनिया कोरियन ड्रामों और के-पॉप कल्चर की फैन बन चुकी है। इनसे जुड़ी हर चीज ट्रेंड करने लगती है। चाहे वह ब्यूटी प्रोडक्ट हों, कपड़े हों या जूते. इन दिनों कोरियन स्टाइल की छतरियों का जादू चल रहा है। यह फैशन स्टेटमेंट बन गई हैं। इन छतरियों की खास बात यह है कि ये ट्रांसपेरेंट होती हैं। इनमें से कुछ प्लेन होती हैं तो कुछ पर स्माइली, फूल, कार्टून, बादल या फल जैसे क्यूट प्रिंट बने होते हैं। लड़कियों को इस तरह की छतरी खूब अट्रैक्ट कर रही हैं। यहीं नहीं, कोरियन स्टाइल की छतरियों में सॉफ्ट कलर टोन जैसे बेबी पिंक, पेल ब्लू, मिंट ग्रीन, लैवेंडर रंग भी देखने को मिलते हैं।

अलग है कोरिया की ट्रेडिशनल छतरी

कोरिया में छतरी को यू-सान कहा जाता है। जो छतरी आपको इन दिनों कोरियन ड्रामों में देखने को मिल रही हैं, वह वहां की ट्रेडिशनल छतरी से बेहद अलग है। इन्हें हांजी नाम के ट्रेडिशनल कोरियन पेपर और बैंबू से बनाया जाता है। बैंबू से इसकी फ्रेमिंग होती है और कागज पर ऑयलिंग कर इसे वाटरप्रूफ बनाया जाता है। इस इको फ्रेंडली छाते पर कोरियन कल्चर को भी उकेरा जाता है।